



तलाक बिल पर
कट्टरपंथियों के आगे
नहीं झुकेगी सरकार

>> 5

दैनिक जागरण

वर्ष 1 अंक 211

सरोकार

मशरूम ने दी सौगात, एक पंथ दो काज

ज्ञान ज्योति, गिरिडीह : गिरिडीह की महिलाओं ने लगन की मिसाल कायम की है। इन्होंने अपने परिवार को समृद्ध बनाने के साथ स्कूली बच्चों

को स्वस्थ जीवन की सौगात भी दी है। कई पंचायतों की महिलाएं मशरूम उत्पादन में जुटी हैं। मशरूम को बाजार में बेचने के अलावा स्कूलों को वियायती दर पर भेजा जाता है, ताकि बच्चे मिड डे मील में अपनी सेहत को संवार सकें। (पेज-7)

जागरण विशेष

फुटबॉलर बेटियां कर रहीं गांव को गौरवान्वित

सुरेंद्र सेनी, कैथल : हरियाणा के कैथल जिले का मानस गांव। यहां की फुटबॉलर बेटियों ने हरियाणा

ही नहीं, देश-विदेश में गांव का परचम फहरा दिया है। सात वर्षों से अपनी उपलब्धियों के दम पर इन्होंने पूरे गांव का सीना गर्व से चौड़ा कर रखा है। अब तक 15 बेटियां विभिन्न टीमों में खेलते हुए पदक जीत चुकी हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि ये उपलब्धियां इन्होंने बिना किसी सरकारी या प्रशासनिक सहयोग के हासिल की हैं। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

मोदी के एक फोन से बची थी यमन में हजारों लोगों की जान

सिंगापुर : सऊदी अरब ने 2015 में जब यमन को अपना निशाना बनाया तब 48 सौ भारतीय नागरिकों के साथ 1972 विदेशियों की जान केवल पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से सऊदी अरब के किंग को किए गए एक फोन से बच सकी थी। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आसियान के मंच पर इंडिया प्रवासी भारतीय दिवस पर आपरेशन राहत का सिलसिलेवार ब्योरा दिया।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

पाकिस्तान की गोलाबारी से बचाएंगे 14,400 वंकर

जम्मू : जम्मू संभाग में पाकिस्तानी गोलीबारी का सामना करने वाले सीमांत क्षेत्र के निवासियों के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आइबी) के पास 14,400 से ज्यादा सामुदायिक और निजी बंकर बनाए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार ने 415.74 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इन बंकरों का निर्माण राज्य सरकार नहीं, बल्कि केंद्रीय निर्माण एजेंसी करेगी।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

ट्रंप उतर कोरिया के तानाशाह से बात करने के इच्छुक

कैप डेविड : उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के नयम रुख के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने रुख में लचीलापन लाते हुए किम से फोन पर वार्ता करने की इच्छा जताई है। किम ने नए साल के पहले दिन कोरियाई प्रायद्वीप में गहरे तनाव को दूर करने के लिए पड़ोसी दक्षिण कोरिया के साथ वार्ता का प्रस्ताव दिया था। इस पहल पर दोनों पक्षों में करीब दो साल बाद इस शुक्रवार को वार्ता होगी।

बदलती राजनीति

राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले के एक और मामले में सजा सुनाए जाने के बाद राष्ट्रीय राजनीति में भी फर्क पड़ना तय है-खासकर हिंदी भाषी राज्यों में समीकरण बदलेंगे

संजय मिश्र, नई दिल्ली

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को हुई सजा केवल उनकी पार्टी और विपक्षी सियासत के लिहाज से ही नहीं, बल्कि यादव राजनीति के लिए भी बड़ा झटका है। लालू के जेल जाने के साथ ही हिंदी भाषी राज्यों में बीते करीब तीन दशक से यादव राजनीति के तीनों मुख्य चेहरे सियासी हॉशिये पर पहुंच गए हैं। उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के हाथ से जहां पहले ही राजनीति की डोर छूट चुकी है वहीं राज्यसभा सदस्यता गंवाने के साथ जनतादल यूनाइटेड से बाहर कर दिए गए शरद यादव भी राजनीतिक दौरेह पर हैं।

अकेले बिहार और उत्तर प्रदेश की 120 लोकसभा सीटों में से एक वक्त में आधी सीटें अपनी झोली में रखने वाले यदुवंशी राजनीतिक चेहरा अब बेरंग पड़ गए हैं। अब लालू और मुलायम के साथ शरद यादव की सियासी कमजोरी जाहिर तौर पर समाजवादी विचारधारा वाले दलों के लिए भी बड़ा नुकसान है। चारा घोटाले में दोषी ठहराए जाने के बाद चुनाव लड़ने की पाबंदी झेल रहे लालू

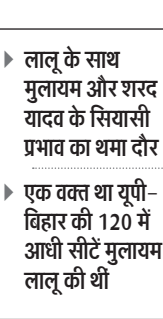


लालू प्रसाद यादव



मुलायम सिंह यादव

ने तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी भले ही बना दिया हो, मगर चाहे राजद हो या फिर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी राजनीति का मंच, तेजस्वी अभी लालू की जगह की भरपाई नहीं कर सकते। भाजपा के खिलाफ सेक्चलर राजनीति का सबसे मुखर चेहरा रहे लालू की राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी राजनीति में अब तक खास भूमिका थी। पिता की सियासी वियसत को बचाने की बड़ी चुनौती का सामना कर रहे तेजस्वी फिलहाल लालू के कद से मीलों दूर हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव



शरद यादव

अपने बेटे अखिलेश यादव की राजनीतिक महत्वाकांक्षा के सामने पहले ही समर्पण कर चुके हैं। राष्ट्रीय राजनीति के मंचों से भी मुलायम धीरे-धीरे ओझल हो रहे हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में सपा को 35 सीटें दिलाकर मुलायम ने अपने राजनीतिक वर्चस्व का परचम लहराया था। उपचुनाव के जरिये यह आंकड़ा 38 तक पहुंचाया था, जबकि लालू ने बिहार की 40 में से 22 सीटों के साथ झारखंड से भी दो सीटें यानी कुल 24 लोकसभा सीट हासिल कर संग्रम की बनी पहली

सरकार में अपना वर्चस्व बनाया। मुलायम भी संग्रम के समर्थकों में शामिल रहे और अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील को मुकाम पर पहुंचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। 2009 के चुनाव में लालू को ज्यादा कामयाबी तो नहीं मिली मगर सियासी रुतबा कम नहीं हुआ। सपा भी घटी, फिर भी उसे 23 लोकसभा सीटें जीतने में सफलता हासिल हुई। 1990 में एक ही समय उत्तर प्रदेश और बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सियासत में उभरे मुलायम और लालू का आपस सुबों के साथ केंद्रीय राजनीति में खासा असर रहा था। वीपी सिंह की केंद्र सरकार के बाद देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल की अगुआई में 1996 और 1997 में बनी सरकारों में भी इन दोनों की बड़ी भूमिका थी। जनता परिवार में तब मुलायम और लालू, दोनों पीएम पद तक के दावेदार थे। देवगौड़ा को जब पीएम चुना गया था तब पार्टी की उस बैठक में लालू की इस पर जलाई गई नाराजगी की चर्चाएं भी सियासी इतिहास का हिस्सा हैं। एक समय मुलायम सिंह ने रोक दी थी सोनिया गांधी की राह

पेज>>4

सुधार ▶ चुनावी बांड पारदर्शिता लाने की दिशा में सिर्फ एक कदम

राजनीति को स्वच्छ करने के होंगे और उपाय : जेटली

फिलहाल शुरुआती सुझावों के आधार पर ही जारी किया गया है बांड

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार और भी कदम उठा सकती है। पिछले हफ्ते चुनावी बांड की शुरुआत करने के बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली ने साफ किया है कि यदि चुनावी चंदे को पारदर्शी बनाने के लिए ठोस सुझाव आते हैं, तो उन पर जरूर विचार किया जाएगा। जेटली के अनुसार, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग को पारदर्शी बनाना जरूरी है। फेसबुक पर लिखे अपने पोस्ट में जेटली ने साफ किया कि चुनावी बांड पूरी राजनीतिक प्रणाली को पारदर्शी बनाने का एक कदम मात्र है। इस पर आगे भी काम होता रहेगा। उनके अनुसार फिलहाल शुरुआती सुझावों के आधार पर यह फैसला किया गया है। यदि इसके लिए नए सुझाव आते हैं, तो सरकार उस पर जरूर विचार करेगी। लेकिन, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सुझाव व्यावहारिक होने चाहिए।

चुनावी फंडिंग को पारदर्शी बनाने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए जेटली ने कहा कि सबसे पहले वाजगेयों सरकार ने राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे पर आयकर छूट देने का फैसला किया था। उस समय माना जा रहा था कि चंदा देने वाले आम लोग, व्यापारी या औद्योगिक घराने आयकर में छूट लेने के लिए इसे सार्वजनिक करेंगे। ऐसा नहीं हुआ और बहुत कम लोगों ने इसे अपनाया। माना जा रहा है कि चंदा देने वाले लोगों ने नाम सार्वजनिक होने और बाद में विरोधी पार्टियों द्वारा निशाना बनाए जाने के डर से इससे दूरी बनाए रखी। चंदा देने वालों को इससे बचाने



पर्दे के पीछे से चलती है पार्टियों को फंडिंग की मौजूदा व्यवस्था

अपने पोस्ट में जेटली ने बताया कि किस तरह से राजनीतिक दलों की मौजूदा फंडिंग की पूरी प्रक्रिया पर्दे के पीछे से चलती है। इसमें चंदा देने वाला भी छिपा होता है और लेने वाला भी नहीं बताता है कि किसने कितना चंदा दिया। पूरी तरह से नकदी में मिलने वाले चंदे को राजनीतिक दल खर्च भी नकद ही करते हैं। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है। चुनावी बांड इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

के लिए मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान के दौरान चुनाव ट्रस्ट का रस्ता निकाला गया। इसमें कोई भी चंदा जमा कर सकता है और बाद में उसे विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच बांटने की व्यवस्था है। लेकिन यह उपाय भी ज्यादा कारगर नहीं हो सका।

बदलना नहीं चाहते हैं नकद में चंदा लेने वाले राजनीतिक दल

जेटली के अनुसार पूरे देश में काले धन के साम्राज्य को खत्म करने के लिए मोदी सरकार ने चुनावी चंदे को भी पारदर्शी बनाने का बीड़ा उठाया है।

इसी के तहत चुनावी बांड का रास्ता निकाला गया। हालांकि, यह भी पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। लेकिन, नकदी चंदे से कई गुना बेहतर है।

चुनावी बांड की आलोचना को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ दलों को नकद में चंदा लेने की आदत है। वे बदलने के लिए तैयार नहीं हैं।

नए भारत में जब पूरी अर्थव्यवस्था पारदर्शी हो रही है, काला धन खत्म हो रहा है, तब चुनावी फंडिंग को भी पारदर्शी होना ही होगा। यह चुनावी राजनीति को साफ सुथरा बनाने के लिए आवश्यक है।

सुधार नहीं, अब रोजगार पर केंद्र सरकार का फोकस

नई दिल्ली : 2019 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार अब रोजगार के अवसर पैदा करने जैसे मुद्दों को प्राथमिकता में रखेगी। साथ ही अन्य सामाजिक क्षेत्रों में अतिरिक्त आवंटन भी देखने को मिल सकता है। वैश्विक वित्तीय सेवा फर्म वुल्श बैंक की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। (पेज-10)

कोर्ट ने आप नेता आशुतोष पर लगाया दस हजार का जुर्माना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पटियाला हाउस कोर्ट ने आम आदमी पार्टी नेता आशुतोष पर अरुण जेटली की ओर से दायर आपराधिक मानहानि के मुकदमे की सुनवाई पटरी से उतारने की कोशिश के आरोप में 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आशुतोष ने भाजपा नेता का बयान हिंदी में फिर से दर्ज कराए जाने की मांग की थी।

कोर्ट ने कहा कि आप नेता आशुतोष ने भाजपा नेता के हिंदी में बयान दर्ज कराए जाने के लिए आवेदन दिया था, जबकि उन्हें अंग्रेजी में थोड़ी भी समस्या नहीं है। आशुतोष की अर्जी को खारिज करते हुए मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दीपक सहारवत ने कहा कि आप नेता का आवेदन सुनवाई को पटरी से उतारने का एक प्रयास और अदालत के समय की बर्बादी है। न तो याचिकाकर्ता और न ही उसके अधिवक्ता के बारे में कहा जा सकता है कि उन्हें अंग्रेजी भाषा में समस्या है। कोर्ट ने कहा कि याची एक अंग्रेजी की किताब के लेखक हैं और उन्हें आए दिन टीवी चैनलों पर अंग्रेजी में साक्षात्कार देते हुए देखा जा सकता है। कोर्ट ने यह भी पाया कि वर्तमान में दिया गया आवेदन भी अंग्रेजी में है। आशुतोष के आवेदन का अरुण जेटली के वकील सिद्धार्थ लुथरा व मनोज तनेजा ने विरोध के दौरान कथित वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया था और इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री केजीराला समेत छह आरोपियों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

लगजरी ट्रेनों में अफसरों की मुफ्त सैर बंद हो : संसदीय समिति



जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : रेलवे के एक से बढ़कर एक आला अफसरों ने लगजरी टूरिस्ट ट्रेनों में मुफ्त सैर का आनंद लिया। इनमें रेलवे बोर्ड से लेकर जोन और मंडलों के आला अधिकारी शामिल हैं। एक संसदीय समिति ने इसे जनता के धन का दुरुपयोग बताया है। उसने रेलवे अफसरों की मुफ्त सैर पर एतराज जताते हुए लक्जरी ट्रेनों में कांप्लीमेंटरी पास की सुविधा बंद करने के लिए कहा है।

पूर्व रेलमंत्री दिनेश त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली संसद की रेलवे से जुड़ी स्थायी समिति ने अपनी हाल में पेश रिपोर्ट में यह सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच सालों में लगभग साढ़े पांच सौ रेलवे अधिकारियों ने बिना एक भी पैसा खर्च किए अमीर विदेशी टूरिस्टों के लिए चलाई जाने वाली महंगी व आलीशान लगजरी ट्रेनों का मजा लिया। इनमें रेलवे बोर्ड के सदस्य, जीएम, डीजीएम, डीआरएम, अतिरिक्त सदस्य, कार्यकारी निदेशक और निदेशक स्तर के अधिकारी शामिल हैं, जबकि मंत्रियों से जुड़े निजी सहायकों ने इक्का-दुक्का मर्तबा ही लगजरी यात्रा के लिए अपने ओहदे का इस्तेमाल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2011-12 में पैलेस ऑन व्हील्स में 50 तो रॉयल गजस्थान में छह अफसरों ने मुफ्त की सैर की, जबकि 2012-13 में पैलेस ऑन व्हील्स में 46, महाराजा एक्सप्रेस में 30 और रॉयल गजस्थान में 14 अफसरों की बिना पैसों की आवभगत हुई। वर्ष 2013-14 में 42 अफसरों ने पैलेस ऑन व्हील्स, 97 ने महाराजा एक्सप्रेस तथा चार ने रॉयल गजस्थान की शाही मेजबानी का लुत्फ उठाया। इन लगजरी ट्रेनों का संचालन कमाई के लिहाज से धनाढ्य पर्यटकों, खासकर विदेशियों को आकर्षित करने तथा उन्हें भारत की विरासत, आतिथ्य, कला-संस्कृति और स्वाद से परिचित कराने के लिए किया जाता है। महाराजा एक्सप्रेस को छोड़ बाकी ट्रेनें गज पर्यटन निगमों के सहयोग से चलाई जाती हैं।

कश्मीर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के साथ पूर्वोत्तर की सुरक्षा पुख्ता करने की जरूरत

नईदुनिया, ग्वालियर

जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाके और पूर्वोत्तर में सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की जरूरत है। देश की आंतरिक सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए गृह मंत्रालय के सुरक्षा एजेंसियों के साथ राज्य पुलिस के समन्वय को बेहतर किया जाना चाहिए।

यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से कही। बीएसएफ के टेकपुरस्थित अकादमी में चल रहे डीजीपी और आइजीपी के राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन पहुंचे प्रधानमंत्री ने दो सत्रों में कुल नौ घंटे की मैथनस बैठक कर देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा व्यवस्था को परखा। इस दौरान गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की ओर से प्रजेंटेशन भी दिए गए। पहले सत्र में राज्यों के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक और बीएसएफ के डीजीपी-आईजीपी शामिल हुए।

लंच के बाद पीएम मोदी ने एक बार फिर समीक्षा शुरू की, लेकिन इस बार बंद कमरे की बैठक में सिर्फ गृहमंत्री राजनाथ सिंह, गृह राज्यमंत्री किरण रिज्जी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आइबी के डायरेक्टर ही शामिल हुए। सोमवार सुबह अधिकारियों के साथ योग से दिन की शुरुआत कर दोपहर में मोदी अधिकारियों के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। तीन दिन चलने वाले इस सम्मेलन में देशभर से राज्य और केंद्रीय सुरक्षा

उत्तर प्रदेश में धर्मस्थलों पर अब बिना इजाजत नहीं बजेंगे लाउडस्पीकर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

ध्वनि प्रदूषण को लेकर हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद धार्मिक स्थलों पर बिना इजाजत चल रहे लाउडस्पीकों को लेकर सरकार गंभीर हुई है। प्रमुख सचिव गृह अरविंद कुमार ने जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पत्र भेजकर जानकारी मांगी है कि उनके जिले में कितने लाउड स्पीकर बिना इजाजत चल रहे हैं। दस जनवरी तक यह रिपोर्ट तैयार करनी होगी। अनुमति लेने के लिए धार्मिक स्थलों को मौका भी दिया जाएगा और इसका प्रोफार्मा बनाकर जिलों में भेजा गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 20 दिसंबर को राज्य सरकार से पूछा था कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर प्रशासन की लिखित अनुमति से लगाए गए हैं या नहीं? यदि नहीं, तो इन्हें हटाने के लिए सरकार की ओर से क्या कार्रवाई की गई? इस पर राज्य सरकार ने अब सभी जिलों से जानकारीयां जुटानी शुरू कर दी है। प्रमुख सचिव गृह ने निर्देश दिया है कि ऐसे धर्म स्थल या सार्वजनिक स्थल जहां नियमित लाउडस्पीकर बजाए जाते हैं, उनका चिह्निकरण राजस्व व पुलिस अधिकारियों की टीम बनाकर 10 जनवरी तक कर लिया जाए। टीम पता करेगी कितने धर्म स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर बिना अनुमति के लाउड स्पीकर बजाए जा रहे हैं। जिन धर्म स्थलों के पास अनुमति नहीं है, उनके प्रबंधकों को 15 जनवरी से पहले आवेदन का प्रारूप उपलब्ध करया जाना चाहिए। प्रमुख सचिव ने कहा है कि जो आवेदन आए, उनका पांच दिन में निराकरण किया जाए। यदि किसी ने अनुमति नहीं हासिल की है, तो उनके लाउडस्पीकर 20 जनवरी तक हर हाल में उतरवा लिए जाएं।

राज्य सरकार ने ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए जुलूस और बरातों पर भी निगाह रखने

लाउडस्पीकर का शोर 10 डेसिबल से अधिक नहीं

प्रमुख सचिव अरविंद कुमार के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए लाउडस्पीकर का शोर 10 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। निजी स्थानों पर इसका शोर पांच डेसीबल से अधिक नहीं होना चाहिए।

लखनऊ की कोतवाली पर भी चढ़ा कैसरिया रंग

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में सरकारी इमारतों को कैसरिया रंग में रंगने के चले चलन के बीच राजधानी लखनऊ की कैसरवाा कोतवाली पर भी कैसरिया रंग चढ़ गया है। हालांकि कोतवाली के इंस्पेक्टर डीके उपाध्याय का कहना है कि इस रंग के पीछे कोई विशेष कारण नहीं है। (पेज-4)

के निर्देश दिए हैं कि उनके द्वारा नियमों का पालन किया जा रहा है नहीं। यह जानकारी भी तलब की गई है कि अब तक नियमों का पालन न करने पर जुलूस या बरातों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। शासन के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय ने भी सभी बिना अनुमति के लाउड स्पीकर बजाए जा रहे हैं। जिन धर्म स्थलों के पास अनुमति नहीं है, उनके प्रबंधकों को 15 जनवरी से पहले आवेदन का प्रारूप उपलब्ध करया जाना चाहिए। प्रमुख सचिव ने कहा है कि जो आवेदन आए, उनका पांच दिन में निराकरण किया जाए। यदि किसी ने अनुमति नहीं हासिल की है, तो उनके लाउडस्पीकर 20 जनवरी तक हर हाल में उतरवा लिए जाएं।

राज्य सरकार ने ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए जुलूस और बरातों पर भी निगाह रखने

एक फरवरी को हाईकोर्ट में देना है जवाब : हाईकोर्ट में इस बाबत दाखिल याचिका पर एक फरवरी को सुनवाई है जिसमें सरकार को जवाब रखना है। कोर्ट ने पूछा है कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 का पालन करने के लिए प्रदेश में क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।



ग्वालियर में हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत करते मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिराज सिंह चौहान।

एजेंसियों के करीब ढाई सौ प्रमुख अधिकारी शामिल हैं।

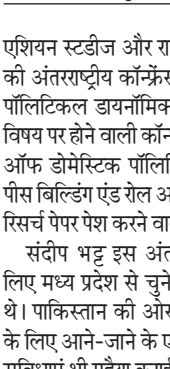
पुलिसिंग में टेक्नोलॉजी के उपयोग पर चर्चा : मोदी ने पुलिस फोर्स में टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग शुरू हुआ या नहीं, इसकी जानकारी ली। दरअसल पिछले में समेलन में यह तय हुआ था कि पुलिस फोर्स में अधिक से अधिक तकनीकी संसाधनों का हिस्सा नहीं लूंगा।

बता दें कि खंडवा निवासी संदीप भट्ट माखनलाल चुतुवैदी विवि के ग्वालियर कैंपस में प्रोफेसर हैं। लाहौर की यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब में 17-18 जनवरी को सेंटर फॉर साउथ

इस्तेमाल शुरू किया जाएगा, जिससे मानव दखल कम से कम किया जा सके। गुवाहाटी, हैदराबाद व कच्छ में हुए डीजीपी-आइजीपी सम्मेलन में लिए गए निर्णय कितने लागू हो पाए, इसकी जानकारी गृह मंत्रालय ने पहले से ही राज्यों से मंगा ली थी। इस रिपोर्ट को भी सम्मेलन में सबसे पहले प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुत किया गया।

एशियन स्टडीज और राजनीति विज्ञान विभाग की अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस है। 'चेंजिंग रीजनल पॉलिटिकल डायनॉमिक्स इन साउथ एशिया' विषय पर होने वाली कॉन्फ्रेंस में प्रो. भट्ट 'इंपैक्ट ऑफ डोमेस्टिक पॉलिटिक्स ऑन इंडो-पाक रीसर्च पेपर पेश करने वाले थे।

संदीप भट्ट इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए मध्य प्रदेश से चुने गए इकलौते प्रोफेसर थे। पाकिस्तान की ओर से उन्हें इस कॉन्फ्रेंस के लिए आने-जाने के एयर टिकट सहित अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाने वाली थीं।



लाहौर में एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में आने का मिला था निमंत्रण, ई-मेल से भेजा अपना जवाब

प्रो. संदीप भट्ट

खरी-खरी ▶ कुमार विश्वास ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फिर हमला बोला

दरबारियों को नहीं मिलेगी माफी

राज्यसभा प्रत्याशी सुशील गुप्ता को लेकर कहा, कोहिनूर का हीरा ढूंदकर लाया गया

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता कुमार विश्वास ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फिर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आप के लाखों कार्यकर्ता केजरीवाल के दरबारियों को माफ नहीं करेंगे। वे एक निजी चैवलर के एक शो में सवालों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने सुशील गुप्ता को लेकर कहा कि कोहिनूर का हीरा ढूंदकर लाया गया है। मगर देखने वाली बात है कि इस हीरे में अजरामर लपेटने के अलावा उनमें और क्या क्या गुण हैं। हालांकि संजय सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने पर वे कुछ नहीं बोले, मगर उन्होंने आशुतोष का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सभा के लिए आशुतोष को भेजा जाना चाहिए था।

उन्होंने पार्टी की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर दो या तीन लोगों की मंडली इसी तरह आम आदमी पार्टी को चलाती रहेगी, तो करोड़ों पार्टी कार्यकर्ता इन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। विश्वास ने चाणक्य का उदाहरण देते हुए कहा कि जब चाणक्य पर राजद्रोह का आरोप

विश्वास से छिन सकता है राजस्थान का प्रभार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी की नीतियों से नागज होकर अपने को शहीद बता चुके कुमार विश्वास लगातार खुल कर पार्टी नेतृत्व पर हमलावर हैं। इसपर पार्टी में अब विश्वास के खिलाफ कार्रवाई के लिए माहौल बन रहा है। माना जा रहा है कि उनके खिलाफ पार्टी कार्रवाई कर सकती है। उनसे राजस्थान का प्रभार छिन सकता है।

विश्वास ने राजस्थान में नीतियां तय करने से लेकर अन्य कार्यों के लिए पार्टी नेतृत्व से दूरी बना रखी है। इसे लेकर पार्टी के अन्य नेता उन पर किसी न किसी तरह तंज भी कसते रहे हैं। पार्टी नेतृत्व राजस्थान को लेकर उनकी कार्यप्रणाली से नागज है।

लगाया तो चाणक्य का जवाब था कि केवल नंदवंश ही मगध नहीं है। पार्टी से प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव को बाहर करने से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब हस्तिनापुर में द्रौपदी का चौरहण हो रहा था, तो भीष्म चुप रहे, विदुर चुप रहे, लेकिन व्यास के दंड विधान से कोई बच नहीं पाया। भीष्म को शरणाया पर सोना पड़ा। इसी तरह आंदोलन के चौरहरण में जो चुपप रहे हैं, इतिहास के काल खंड में वे सब



सूत्रों का कहना है कि पार्टी के अधिकतर नेता विश्वास के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात पर सहमत हैं। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल गय सावंजनिक रूप से भी विश्वास पर हमला बोल चुके हैं।

कायर कहलाएंगे।

राज्य सभा की उम्मीदवारी को लेकर कहा कि कैसे दिल्ली चुनाव में सुशील गुप्ता कांग्रेस के जवाब में उन्होंने कहा कि जब हस्तिनापुर में गुजरें और उनकी तरफ दोनों ङालियों को वी-रहे, विदुर चुप रहे, लेकिन व्यास के दंड विधान से कोई बच नहीं पाया। भीष्म को शरणाया पर सोना पड़ा। इसी तरह आंदोलन के चौरहरण में जो चुपप रहे हैं, इतिहास के काल खंड में वे सब

विधायक नहीं जिता पाई, वह अपने पराजित उम्मीदवार को राज्य सभा में भिजवा रही है। कांग्रेस से हमें राजनीति सीखनी चाहिए।

वहीं अपने साथ हुए बताव पर कुमार ने कहा सारा देश देख रहा है, लाखों कार्यकर्ता देख रहे हैं, इसकी समाप्ति तो होगी ही। ये लोग अपने भ्रम की दुनिया में रहें। हमारे सात साल के संघर्ष की मलाई को कोई कुत्ता चाटकर शेर पर दहाड़ने लगे, तो उसे आप क्या कहेंगे। बात राज्य सभा की नहीं है, मैं तो पिछले सात महीनों से सिर्फ एक मोहरा बना हुआ हूं, इस माहिम्नति की शिवगामी देवी कोई और है जो हर बार नए कटप्पा लाकर मुझ जैसे बाहुबलियों की हत्या करवा रही है।

सेना की सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने के लिए मैंने केजरीवाल को मना किया था। मैंने कहा था कि आप बोलेंगे तो पाकिस्तान इसे उठा लेगा। वहां पहले पेज पर आप छपेंगे। मगर केजरीवाल नहीं माने। इस तरह की गय देने का उन्हें ही नुकसान हुआ है। अमानतुल्ला द्वारा लगाए गए आरोप पर विश्वास ने कहा कि मैंने पार्टी की राजनीतिक मामलों की कमेटी (पीएससी) को लिखा था कि इस मामले की गहनता से जांच की जाए। मैं दोषी हूं तो मेरे माइक पर दहाड़ा था कि जनता उन्हें हराएंगी, और हराया भी। मैं तो कांग्रेस को इस बात के लिए बधाई दे रहा हूं कि जो पार्टी एक भी

न्यूज गैलरी

बिल्डर के खिलाफ निवेशकों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिल्डरों के खिलाफ निवेशकों का प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को भी विभिन्न बिल्डर परिyoजनाओं पर निवेशक धरना प्रदर्शन करने पहुंचे थे। नेफेमा के बैनर तले रविवार को निवेशकों ने अर्थ टाउन1 बिल्डर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जमकर प्रदर्शन किया। निवेशकों ने बैनर पोस्टर के साथ बिल्डर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। निवेशकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ट्वीट कर आशियाना दिलाने की मांग की। नेफेमा अध्यक्ष अन्नु खान ने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लाखों फ्लैट बायर्स के सपनों के घर का ईतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि पचास हजार फ्लैट पर दिसंबर तक वजेशन दिलाएंगे। साल खत्म होकर नया साल शुरू हो गया, निवेशक को पोजेशन अभी भी नहीं मिला है। अर्थ टाउन1 फ्लैट बायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्या मित्रा ने कहा निवेशक पिछले सात साल से फ्लैट का ईतजार कर रहे हैं। उनकी कोई हमारी सुनने वाला नहीं है। जबकि आशियाने का 90 फीसद भुगतान बिल्डर को कर चुके हैं।

आज से फिर शुरू हो सकती है सीलिंग

नई दिल्ली : दिल्ली में नियमों का उल्लंघन कर चल रही दुकानों तथा अर्ध अध निर्माण पर आज से दोबारा सीलिंग और तोड़फोड़ का डंडा चल सकता है। निगरानी समिति सोमवार को दिल्ली के तीनों नगर निगमों का दौरा कर सकती है। इसके बाद सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू हो सकती है। निगरानी समिति के अनुसार सुबह ही तय किया जाएगा कि क्या कार्रवाई करनी है। बता दें कि शुक्रवार को निगरानी समिति ने दक्षिणी दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में सीलिंग की कार्रवाई की थी। इसमें बड़े-बड़े शोल्डर भी सील कर दिए गए थे। दो दिनों की सरकारी छुट्टी के बाद सोमवार से सीलिंग और अवैध निर्माण पर कार्रवाई होने की संभावना है।

दिल्ली के कई इलाकों में पानी आपूर्ति रहेगी प्रभावित

नई दिल्ली : भूमिगत जलाशयों व बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की सफाई कार्य के चलते दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि आठ जनवरी को वसंत कुंज सी 8-9 ब्लॉक, बिजबासन गांव, मुनिरका, नासिरपुर और इसके आसपास के इलाके में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इनमें से कई इलाकों में नौ जनवरी को भी पानी आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

पुस्तक मेला

प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में दूसरे दिन बड़ी संख्या में पुस्तकप्रेमी पहुंचे। भारी भीड़ के कारण प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से पुस्तक मेला परिसर तक लंबी लाइन लगी रही। रविवार व खुशनुमा मौसम होने के कारण लोग सपरिवार पुस्तक मेले में पहुंचे और सुबह से शाम तक किताबों के बीच वक्त गुजारा। कहीं साहित्यकारों का सत्र तो कहीं कविता पाठ। वहीं बच्चों के कार्यक्रम तो कहीं साहित्यकारों से मुलाकात। इंटरनेट व मोबाइल की भरपूर उपलब्धता और मनोरंजन के तमाम साधनों के बीच पुस्तक मेले में जुट रही जबरदस्त भीड़ प्रकाशकों के चेहरे पर मुस्कुराहट पैदा कर रही है। आयोजकों के मुताबिक सीमित स्थान होने के बाद भी लोग उत्साह के साथ मेले का हिस्सा बन रहे हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है।

गुरुग्राम से आई निकिता ने बताया कि मेले का मुझे बेसब्री से इंतजार रहता है। कई बार हम यहां देश-विदेश से आए प्रकाशकों की किताबों की

निलंबित डॉक्टर के हस्ताक्षर पर जारी हो रही लैब रिपोर्ट

स्वदेश कुमार, नई दिल्ली

निजी लैब में लोगों के साथ किस तरह की धोखाधड़ी की जाती है, इसकी बानगी दिशादश गार्डन स्थित अरिहंत पैथ लैब में देखने को मिली। डॉक्टर निलंबित हो चुके हैं, उनके हस्ताक्षर से मरीजों को रिपोर्ट जारी की जा रही है। यह रिपोर्ट भी निलंबित डॉक्टर की अनुपस्थिति में तैयार की जा रही है और उस पर डॉक्टर के कंप्यूटराइज्ड हस्ताक्षर के साथ नाम व मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। हालांकि, डॉक्टर ने स्पष्ट कहा कि वह इस समय कहीं सेवा नहीं दे रहे हैं। ऐसे में इस लैब से जारी रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठना लाजिमी है। दैनिक जागरण के पास अरिहंत पैथ लैब की तरफ से छह जनवरी को जारी एक रिपोर्ट मौजूद है। इसमें डॉ. आर कुमार यानी डॉ. आरके भटनागर का हस्ताक्षर और उनका मोबाइल नंबर दर्ज है, जबकि डॉ. आरके भटनागर को दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) ने जुलाई 2017 में एक साल के लिए निलंबित कर दिया था। आदेश में साफ जिक्र था कि इस अवधि में वह न तो कहीं सेवा देंगे और न ही उनका हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया जाएगा।

फर्जी पैथ लैब के पर्दाफाश पर ही हुआ था निलंबन : दरसअल, मधुर विहार के एसडीएम अजय अरोड़ा ने फरवरी 2017

यह गंभीर मामला है। डॉ. आरके भटनागर और निजी पैथ लैब को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।
जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
- डॉ. गिरीश त्यागी, रजिस्ट्रार, डीएमसी

में कोडली में फर्जी पैथ लैब का पर्दाफाश किया था। यहां भी इसी तरह डॉ. आरके भटनागर के हस्ताक्षर से रिपोर्ट जारी होती थी। वहां भी रिपोर्ट जारी करते समय डॉ. भटनागर खुद मौजूद नहीं होते थे। एसडीएम की रिपोर्ट पर ही डीएमसी के रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश त्यागी ने डॉ. आरके भटनागर पर कार्रवाई की थी।

डॉक्टर और लैब संचालक के दावे में विरोधाभास : निलंबित डॉ. आरके भटनागर ने बताया कि वह इस समय न तो कहीं सेवा दे रहे हैं और न ही उन्हें इस पैथ लैब के बारे में कोई जानकारी है। उन्होंने निलंबन के खिलाफ अपील की है। इस पर फैसला आने के बाद ही काम करेंगे। वहीं, अरिहंत पैथ लैब के संचालक नीरज जैन का दावा है कि डॉ. भटनागर का निलंबन वापस हो चुका है। वह उनके लैब पर आकर रिपोर्ट जारी करते हैं। इसी वजह से उनका मोबाइल नंबर भी रिपोर्ट में दिया गया है।

अरुणा आसफ अली अस्पताल के खिलाफ होगी जांच

नई दिल्ली : गर्भवती को भर्ती करने से इन्कार के मामले में हाई कोर्ट ने अरुणा आसफ अली अस्पताल के खिलाफ चिकित्सकीय लापरवाही की जांच के आदेश दिल्ली सरकार को दिए हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा भर्ती करने से मना करने के बाद महिला का ऑटो रिक्षे में प्रत्यव हुआ था। न्यायमूर्ति विप्रू बखरू ने महिला याचिकाकर्ता पिंगी की याचिका पर स्वास्थ्य विभाग, दिल्ली सरकार को दिशा निर्देश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर महिला की बात सही है तो यह जांच का विषय है कि क्या कोई चिकित्सकीय लापरवाही हुई है? कोर्ट ने जांच के लिए 12 सप्ताह का समय दिया है।

साथ ही कोर्ट ने महिला को 7 हजार रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में दिए जाने के भी आदेश दिए। याचिकाकर्ता पिंगी के अनुसार, वह 17 नवंबर की सुबह शांति नौ बजे अस्पताल गई थी। उस समय मौजूद डॉक्टर ने उन्हें भर्ती करने से इन्कार कर दिया था। याची के वकील सिजा नायर व दीपक कुमार ने कोर्ट से कहा कि अस्पताल पहुंची महिला को डॉक्टर ने ये कहकर दर्द की दवा दे दी कि उसकी डिलीवरी अभी नहीं हो पाएगी। वकील ने कोर्ट को बताया कि डॉक्टर द्वारा भर्ती करने से इंकार करने पर महिला ने आइएसबीटी कश्मीरी गेट बस स्टेशन के पास वापस लौटने के लिए अटॉग लिया और कुछ दूर जाने पर उसने अटॉगे में ही बच्चे को जन्म दिया।

राजधानी को जाम से बचाने के लिए खर्च होगा 31,930 करोड़ : गडकरी

नई दिल्ली, प्रे्र : वाहनों के बोझ से दिल्ली बेहाल है। इससे न केवल हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है, बल्कि प्रदूषण भी दिन व दिन बढ़ता जा रहा है। केंद्र ने दिल्ली के बोझ को हलका करने के लिए 31,930 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। इसके तहत छह हजार करोड़ से द्वाराका एक्सप्रेस वे का कायाकल्प होना है।
केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ईस्टर्न पेरीफरल एक्सप्रेस वे पर 12 हजार करोड़, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर छह हजार करोड़ की लागत की योजना पर पूरी गति से काम चल रहा है तो छह हजार करोड़ की लागत से बनने वाले द्वाराका एक्सप्रेस वे के लिए जल्द टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। 260 करोड़ की लागत से बनने वाले धौलाकुआँ-एयरपोर्ट कंरीडोर पर कार्य वितरण हो चुका है। पांच हजार करोड़ की लागत से दिल्ली के लिए नया रिंग रोड (यूईआर 2) बनाया जाना है। पिछले माह दिल्ली के उपरज्यपाल अनिल बैजल की उपस्थिति में हुई उच्च स्तरीय बैठक में गडकरी ने कहा कि (यूईआर 2) परियोजना में अतिरिक्त लागत को एनएचएआइ व डीडीए (पीएससी) को लिखा था कि इस मामले की गहनता से जांच की जाए। मैं दोषी हूं तो मेरे खिलाफ कार्रवाई की जाए नहीं तो अमानत के खिलाफ कार्रवाई हो। मगर जांच खत्म कर दी गई और किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

जन्मदिन के दिन ही टीकम को मिली मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

टीकमचंद ने रविवार को जीवन के 27 साल पूरे किए थे। जन्मदिन की खुशी में उसके दोस्त शनिवार रात से पार्टी कर रहे थे। इस खुशी को दोगुनी करने के लिए सक्षम ने मुरथल जाकर पराठे खाने की योजना बनाई थी और इसके बाद सभी लोग कार से रवाना हुए थे लेकिन मुरथल पहुंचने से पहले ही टीकम और उसके साथियों को मौत ने आगोश में ले लिया।

संजय बस्ती के टीकमचंद के पिता की मौत हो चुकी है। परिवार में मां, पत्नी रूपा व बहन पूनम हैं। पावरलिफ्टिंग के अलावा वह एक पब में बाउंसर का भी काम करता था। उसकी बहन पूनम ने बताया कि टीकम को शनिवार को उसके दोस्त जन्मदिन की पार्टी देने के नाम पर ले गए थे। रविवार को घर पर पार्टी देने की योजना थी। पत्नी ने रात को 12 बजे फोन किया तो उसने 10-15 मिनट में आने की बात कही लेकिन वह नहीं आया फिर करीब तीन बजे दोबारा फोन किया गया तो भी टीकम ने तुरंत आने की बात कही। तीसरी बार करीब पांच बजे पुलिसकर्मीयों ने उसका फोन उठाया और हादसे के बारे में जानकारी दी।

जन्म से पहले उठा पिता का साया : पूनम ने बताया कि डेढ़ साल पहले ही टीकम की शादी रूपा से हुई थी। रूपा नौ माह की गर्भवती है। डाक्टर ने आठ जनवरी के आसपास डिलीवरी का समय बताया है। नए मेहमान के आगमन को लेकर टीकम व परिवार के लोग काफी खुश थे। सोमवार को

दो बार विश्व चैंपियन रह चुके हैं सक्षम यादव

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली

सक्षम यादव 2016 व 2017 में स्पेन व मास्को में आयोजित पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल समेत कई पदक हासिल किए थे। अब वह इस साल होने वाली चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे थे। सक्षम को बचपन से ही शारीरिक सौष्ठव से जुड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का शौक था। इसलिए उन्होंने ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया था।
वह अपनी वैज्ञानिक बहन इशा के डीआरडीओ परिसर स्थित बाग्यार पर रहते थे। वह राष्ट्रीय स्तर पर कई बार स्वर्ण पदक जीत चुकी है। चचेरे भाई संदीप ने बताया कि कुछ माह पूर्व ही सक्षम की सगाई हुई थी और जल्द ही उनकी शादी होने वाली थी। सक्षम के परिवार में पिता रमेश के अलावा दो बड़ी बहन व मां हैं। वह भाई में अकेले थे। परिवार नांगलोई इलाके में रहता है।सक्षम के प्रशिक्षक

दाखिला हुआ नहीं, दिल्ली सरकार ने पत्र भेज दी बधाई

हर्षित वर्मा, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार पिछले साल इंडब्ल्यूएस कोटे के तहत गरीब परिवार की बेटी को निजी स्कूल में दाखिला तो दिला नहीं सकी, लेकिन 11 महीने बाद बधाई पत्र भेजकर परिवार के जले पर नमक जरूर छिड़क दिया।

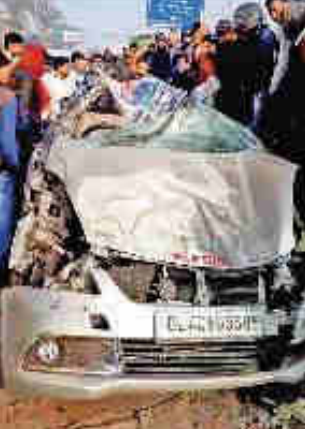
मूलरूप से बागपत का रहने वाला यह परिवार इन दिनों दुर्गापुरी में रहता है। परिवार के मुखिया दीपक कुमार ने बताया कि उन्होंने बेटी अंजलि का नर्सरी में दाखिला कराने के लिए फरवरी 2017 में इंडब्ल्यूएस कोटे के तहत ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसकी पंजीकरण संख्या 20170077716 थी।22 मार्च को सरकार की तरफ से मोबाइल पर मैसेज आया। इसमें लिखा था कि 15 अप्रैल तक शशि पब्लिक स्कूल में डॉक्यूमेंट जमा करा दें। उन्होंने अगले ही दिन डॉक्यूमेंट जमा करा दिए।

स्कूल प्रबंधन ने दो दिन बाद वेटिंग में नाम होने की बात कहकर घर भेज दिया और अंत में सीटें फुल होने का हवाला देकर दाखिला नहीं दिया। उनके पास इतने पैसे भी नहीं थे कि दूसरे निजी स्कूल में सामान्य कोटे के तहत दाखिला दिलाते। ऐसे में निजी स्कूल में बच्ची का दाखिला सपना बनकर ही रह गया। उधर, इस मामले में शिक्षा मंत्री मनीष सिंसोदिया से भी बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।



दिल्ली सरकार की ओर से आया बधाई पत्र दिखाती पीड़ित मां मधु व बेटी अंजलि । जागरण

रोऊं चा हंसू, करूँ मैं क्या करूँ... : बच्ची के पिता दीपक ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से 3 जनवरी 2018 को दाखिले का बधाई पत्र भेजा गया। उसमें लिखा था कि आपकी बेटी अंजलि का एक अच्छे प्राइवेट स्कूल में दाखिला हुआ है, इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई...। इसके अलावा सरकार की तारीफ में कसौदे भी पढ़े गए थे। पत्र लेकर वह फिर उस स्कूल पहुंचे, लेकिन प्रबंधन ने सरकार से बातचीत करने की बात कहकर वापस भेज दिया।



सिंधु बाईर हादसे में क्षतिग्रस्त कार ।



विलाप करते मृतको के परिजन व अन्य ।

टीकम पत्नी को डाक्टर के पास ले जाने वाला था लेकिन जन्म लेने से पहले ही बच्चे के सिर से पिता का साया उठ गया।

पति व भाई को एक साथ खोने का गम : इस हादसे ने टीकम की पत्नी रूपा को दोहरा सदमा दिया है। उसने अपने पति के साथ भाई योगेश को भी खो दिया। वह भी टीकम के घर से दो गली दूर रहता था और दस फरवरी को उसकी शादी होने वाली थी। परिजनों ने बताया कि अपने पहले बच्चे के जन्म देने व भाई की शादी तय होने से रूपा बेहद खुश थी। योगेश के परिवार के लोगों ने उसकी शादी की तैयारियां शुरू कर दी थी। कुछ दिन पूर्व ही उसकी सगाई हो चुकी थी लेकिन उसकी मौत से पूरे परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

शराब नहीं पीने के कारण बची जान : सक्षम व उसके दोस्त इलाके में ही रहने वाले एक अन्य दोस्त राहुल मिमोका की भी मुरथल ले जाना चाहते थे लेकिन वह उनके साथ नहीं गया। राहुल ने बताया कि शनिवार की रात सभी रोहित के घर पर जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे। वह भी वहां मौजूद था।

करीब साढ़े दस बजे सक्षम भी पहुंचा। इन्होंने अचानक मुरथल चलने की योजना बनाई। उन्होंने राहुल को भी चलने के लिए कहा लेकिन वह शराब नहीं पीता है, इसलिए जाने से मना कर दिया। इसके बाद कार से सभी दोस्त किंग्सवे कैम्प स्थित अपने जिम में गए जहां से आधी रात के बाद मुरथल के लिए रवाना हो गए थे।

कार में मिलीं शराब की बोतलें

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : मुरथल जा रहे खिलाड़ियों की कार से शराब की कुछ बोतलें बरामद की गई हैं। आशंका है कि कार सवारों ने शराब पी रखी होगी। चालक के नशे में होने व कार की अधिक रफ्तार के चलते चालक गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका।

वहीं हादसे में घायल सक्षम को हरिशचंद्र अस्पताल से शालीमार बाग मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया था। वहां उसे दो बार हार्ट अटैक आया था। इसके बाद उसे सुबह करीब सवा नौ बजे एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। वहां भी उसे एक बार हार्ट अटैक आया। सक्षम का इलाज न्यूरो सर्जरी विभाग के डाक्टर कर रहे थे लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बाद भी सक्षम की शाम 6.38 बजे मौत हो गई।

पावरलिफ्टिंग एक पावर गेम होता है। इसमें तीन इवेंट होते हैं: स्क्वाड, बेंच प्रेस और डेड लिफ्ट। स्क्वाड में खिलाड़ी को वेट लोहे की रॉड के सहारे अपने कंधे पर लेना होता है।

बेघरों की मौत के लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार : तिवारी

नई दिल्ली : टंड में बेघर लोगों की हो रही मौत से दिल्ली सरकार विपक्ष के निशाने पर है। भाजपा ने इसके लिए सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल को दोषी ठहराया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्लीवासियों से बेघर लोगों की सहायता के लिए हाथ बढ़ाने की अपील की है। भाजपा कार्यकर्ताओं से भी इन मजबूर लोगों की मदद का आह्वाण किया है। तिवारी का कहना है कि हम सभी नए वर्ष में पहुंच गए हैं, लेकिन दिल्ली सरकार का रवैया नहीं बदल।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चिंता दिल्लीवासियों की जगह अपनी कुर्सी और पार्टी की है। यही कारण है कि इस कड़के की टंड में बेघर लोग खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर है जिससे कई लोगों की मौत हो रही है। दिसंबर में ही दो सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, नए वर्ष में छह दिनों में 44 लोगों की जान चली गई है। इसके लिए सीधे तौर पर दिल्ली सरकार जिम्मेदार है।

मिलने का अवसर प्रदान करता है।

पुस्तक मेला में बड़ी संख्या में बच्चों ने भी हिस्सा लिया। बच्चों ने पवेलियन में शिक्षा के डिजिटल माध्यमों के बारे में जाना और वहां पर आयोजित गतिविधियों में भी हिस्सा लिया।

मैं गद्य का ऐसा बुरा पाठक नहीं हूँ जैसा लोगों ने मुझे बदनाम किया है : अशोक वाजपेयी : विश्व पुस्तक मेले के दूसरे दिन राजकमल प्रकाशन के स्टॉल पर दोपहर तक साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उपन्यास ‘कलिकथा वाया बायपास’ की लेखिका अलका सरावगी के उपन्यास ‘एक सच्ची-झूठी गाथा’ का लोकापण वरिष्ठ कवि और आलोचक अशोक वाजपेयी व लेखक प्रियदर्शन ने किया। इस अवसर पर अशोक वाजपेयी ने अलका सरावगी के पुस्तक के अंश को पढ़ते हुए कहा कि मैं गद्य का ऐसा बुरा पाठक नहीं हूँ जैसा लोगों ने मुझे बदनाम किया है। अशोक वाजपेयी ने पाठकों के आग्रह पर अपनी पुस्तक से काव्यपाठ भी किया। लेखक प्रियदर्शन ने कहा कि अलका सरावगी ने अपने पांचों उपन्यास में कभी भी किसी दूसरे को नहीं दोहराया।



नई दिल्ली : प्रगति मैदान में विश्व पुस्तक मेले के दौरान पुस्तकों की उंधाई को निहारी युवतियां ।

एक लाख से अधिक लोगों ने किताबों के बीच गुजारा वक्त

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में दूसरे दिन एक लाख से अधिक पुस्तकप्रेमी पहुंचे। भारी भीड़ के कारण प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से पुस्तक मेला परिसर तक लंबी लाइन लगी रही। रविवार व खुशनुमा मौसम होने के कारण लोग सपरिवार पुस्तक मेले में पहुंचे और सुबह से शाम तक किताबों के बीच वक्त गुजारा। कहीं साहित्यकारों का सत्र तो कहीं कविता पाठ। वहीं बच्चों के कार्यक्रम तो कहीं साहित्यकारों से मुलाकात। इंटरनेट व मोबाइल की भरपूर उपलब्धता और मनोरंजन के तमाम साधनों के बीच पुस्तक मेले में जुट रही जबरदस्त भीड़ प्रकाशकों के चेहरे पर मुस्कुराहट पैदा कर रही है। आयोजकों के मुताबिक सीमित स्थान होने के बाद भी लोग उत्साह के साथ मेले का हिस्सा बन रहे हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है।

गुरुग्राम से आई निकिता ने बताया कि मेले का मुझे बेसब्री से इंतजार रहता है। कई बार हम यहां देश-विदेश से आए प्रकाशकों की किताबों की

प्रदूषण से मुक्ति के लिए सीचेवाल मॉडल पर चर्चा

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम थीम मंडप में आयोजित किए गए। पंजाब के प्रसिद्ध पर्यावरणविद संत बलवीर सिंह सीचेवाल तथा डॉ. इंदरजीत कौर से डॉ. मनजीत सिंह और सरदार जसवंत सिंह ने ‘प्रदूषण से मुक्ति के लिए सीचेवाल मॉडल पर’ चर्चा की तथा इस विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इसी मंडप में दिल्ली गुरुकुल तथा श्री निवास संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों ने प्रकृति पर आधारित वैदिक मंत्रों का पाठ किया तथा शुद्ध जल, वायु और आकाश की कामना की।

यूरोपीय संघ मंडप में भारत व स्लोवानिया के संबंधों पर चर्चा

मेले में यूरोपीय संघ मंडप में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की शुरुआत भारत और स्लोवानिया के बीच सहयोग के अवसर विषय पर आयोजित परिचर्चा से हुई।

पहचान करने आते हैं और बाद में उनको ऑनलाइन मंगाते हैं। रविवार के दिन मैंने परिवार के साथ कहीं और जाने से बेहतर मेले में आना समझा।

रेवाड़ी से आए ध्यानचंद ने बताया कि मैं

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पढ़ता हूं और पत्रकारिता की किताबें लेने आया हूं। कई ऐसी किताबें हैं जो हमें बाजार में नहीं मिलती हैं। किताबें खरीदने के साथ-साथ मेला हमें साहित्यकारों और पत्रकारों से

मोदी के एक फोन से यमन में बची थी सात हजार लोगों की जान

सिंगपुर, प्रेद्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सऊदी अरब के किंग को किए गए एक सीधे फोन से यमन संकट के दौरान हजारों लोगों की जान बच सकी थी। यमन संकट के दौरान भारतीयों को सुरक्षित निकालने के महा अभियान को अब तक के कुछ सबसे सफल मिशन में से एक जाना जाता है। इस मिशन को आपरेशन राहत नाम दिया गया था। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उस समय के घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सऊदी अरब ने 2015 में जब यमन को अपना निशाना बनाया था तब 48 सौ भारतीय नागरिकों के साथ 1972 विदेशियों की जान केवल पीएम नरेंद्र मोदी के एक फोन से बच सकी थी। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज आसियान के मंच पर इंडिया प्रवासी भारतीय दिवस पर बोल रही थीं। वह तीन हजार भारतीयों से रूबरू थीं।

2015 में सऊदी अरब ने यमन में बोला था हमला

सुषमा स्वराज ने आसियान मंच पर बताया पूरा वाक्या

2015 में सऊदी अरब ने यमन में बोला था हमला

सुषमा स्वराज ने आसियान मंच पर बताया पूरा वाक्या

सुषमा ने बताया कि यमन पर सऊदी अरब के हमले के दौरान वह बेहद निराश थीं। हजारों भारतीय वहां फंसे हुए थे। उन्हें बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा था, क्योंकि सऊदी फौजें लगातार बमबारी कर रही थीं। तब उन्होंने पीएम से इस मसले पर चर्चा की। उनसे आग्रह किया कि सऊदी किंग के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। क्यों न इस मौके पर इन संबंधों का फायदा उठाया जाए। मोदी ने इस सलाह पर सऊदी किंग को फोन किया। उनसे एक सप्ताह तक बमबारी रोकने का आग्रह किया गया ताकि वहां फंसे लोगों को निकाला जा सके। सऊदी अरब के किंग ने मोदी से कहा कि भारत के साथ संबंध इतने अच्छे हैं कि इस अनुरोध को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन वह पूरी तरह बमबारी बंद करने का आदेश नहीं दे सकते। भारत के साथ मित्रता के कारण सऊदी

रोजाना दो घंटे तक सऊदी हमला रुका

सुषमा का कहना है कि भारतीय सेना आपरेशन राहत के जरिये अपने नागरिकों को सुरक्षित पनाह दिलाने के लिए प्रयासरत तो थी, लेकिन वांछित सफलता हासिल नहीं हो पा रही थी। मोदी के फोन से रोजाना दो घंटे तक सऊदी हमला रुका, जिससे धीरे-धीरे न केवल अपने लोगों, बल्कि विदेशियों को बचाया जा सका। एक अप्रैल से 2015 से 11 दिनों तक अभियान चला था।

अरब ने एक सप्ताह तक रोजाना दो घंटे (सुबह नौ से 11 बजे तक) बमबारी रोकने पर सहमति जताई। इस दौरान खुद उन्होंने यमन सरकार से अपील की कि फंसे भारतीयों को सुरक्षित तरीके से निकालकर अदन बंदरगाह व सना हवाई अड्डे तक पहुंचाया जाए।

सिंगापुर में रविवार को प्रवासी भारतीय दिवस समारोह के मौके पर रोबोटे से हाथ मिलाती विदेश मंत्री सुषमा।

न्यूज गैलरी

वाईफाई से लैस होंगे सभी 85 सौ रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली : डिजीटल इंडिया मुहिम के तहत रेल मंत्रालय अपने सभी 85 सौ रेलवे स्टेशनों को वाईफाई से लैस करने जा रहा है। सात सौ कग्रेड की लागत वाली इस योजना में ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में स्थित रेलवे स्टेशनों पर भी यह सुविधा मिलेगी। खास बात है कि 216 स्टेशनों पर यह योजना शुरू भी हो चुकी है। एक रेल अधिकारी ने बताया कि हाल ही में आयोजित एक बैठक में योजना को अंतिम रूप दिया गया। इसमें फैसला लिया गया कि 12 सौ रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को इंटरनेट सेवा मुफ्त दी जाएगी तो 73 सौ स्टेशनों के आसपास रहने वाले नागरिकों को भी इस सेवा का लाभ मुफ्त में मिलेगा। ग्रामीण इलाके के स्टेशन वाईफाई के साथ कियोस्क

से लैस होंगे। इससे डिजीटल बैंकिंग, आधार, जन्म व मृत्यु पत्र प्राप्त, टैक्स रिटर्न भरने व बिल भरने जैसी सुविधाएं मिलेंगी। कियोस्क से स्थानीय लोगों को ई-कामर्स पोटल से सामान मंगवाने की सुविधा भी मिलेगी। दूरसंचार मंत्रालय के साथ मिलकर रेलवे योजना को सिरे चढ़ा रहा है। 2018 तक छह सौ स्टेशनों पर योजना शुरू हो जाएगी जबकि मार्च 2019 तक लक्ष्य को शत प्रतिशत हासिल करने की कोशिश है। अधिकारी का कहना है कि आज के दौर में इंटरनेट के बगैर कुछ भी संभव नहीं हो सकता। रेलवे अपने इस प्रोजेक्ट के जरिये ग्रामीण व ऐसे इलाकों के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने की कोशिश कर रहा है जिन लोगों का तकनीकी ज्ञान बेहद कम है।

आइएएस-आइपीएस के वेटन-भत्ते का ब्योरा न देने पर सरकार से नाराज समिति

नई दिल्ली : एक संसदीय समिति ने सरकार से अपनी कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि वह आइएएस, आइपीएस और अन्य अधिकारियों के वेतन-भत्तों पर होने वाले कुल खर्च का ब्योरा नहीं दे रही। हिसाब-किताब रखने वाली संसदीय समिति ने हाल में अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया कि अखिल भारतीय सेवाएं जैसे-भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) और भारतीय वन सेवा (आइएफएस) आदि सेवाओं से राष्ट्र के विकास पर क्या अरब पड़ता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व वाली समिति की रिपोर्ट के अनुसार समिति ने सरकार से बेहद नाराज है। चूंकि राज्यों और केंद्र में सेवारत अखिल भारतीय सेवाओं के अफसरों के वेतन, भत्ते और पेंशन आदि पर होने वाले कुल सरकारी खर्च का ब्योरा नहीं दिया गया है। समिति चाहती है कि सरकार तीन महिने के अंदर केंद्र और राज्य के सरकारी अफसरों के बारे में सालाना आंकड़े मुहैया कराए। समिति यह जानकर भी खिन्न हुई कि सरकार ने इस तर्फ कोई भी प्रयास नहीं किए हैं।

तैयारी

भाजपा अध्यक्ष एक दिन की यात्रा पर त्रिपुरा पहुंचे, कहा- अगले चुनाव में उनकी पार्टी की सरकार बनेगी

उदयपुर (त्रिपुरा), प्रेद्र : भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने कहा है कि त्रिपुरा के बहुत सारे मंत्री चिट-फंड घोटाले में सीधे तौर पर शामिल हैं और यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। रविवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि रोज वैली चिट-फंड घोटाले में भाजपा ने सीबीआइ जांच की मांग की थी, लेकिन वाम मोर्चे की सरकार ने अपने निहित स्वार्थ के चलते इसका आदेश नहीं दिया।

सुधार की दरकार ▶ संसदीय समिति ने दस मिनट से ज्यादा वक्त पर हर्जाना देने की जरूरत बताई

https://t.me/YK_info

एयरलाइनें जानबूझकर पैदा करती हैं चेक-इन काउंटरों पर भीड़

खराब सीटों के लिए भी एयरलाइनों पर जताई नाराजगी, सरकार से नीति को कहा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

एयरलाइनों मुनाफे के लिए जानबूझकर चेक-इन काउंटरों पर भीड़ की स्थिति पैदा होने देती हैं। संसदीय समिति ने इस पर नाराजगी जताते हुए सरकार व एयरलाइनों से इस स्थिति में सुधार के लिए कहा है।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक-ओ ब्रायन की अध्यक्षता वाली संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि एयरलाइनों के तमाम दावों के बावजूद हवाई अड्डों पर चेक-इन काउंटर और कर्मचारियों की संख्या काफी कम है। इससे अक्सर यात्रियों को लंबी लाइनें लग जाती हैं और यात्रियों को खड़े-खड़े लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस वजह से कई मर्तबा उनकी उड़ानें छूट जाती हैं। इसका एक बड़ा कारण एयरलाइनों का अत्यधिक संख्या में टिकट बुक करना है। एयरलाइनें जानबूझकर ऐसी कृत्रिम स्थिति पैदा करती हैं ताकि विलंब के कारण यात्रियों को बोर्डिंग से इन्कार किया जा सके और फिर दोबारा बुकिंग कर सकें।

बोफोर्स से जुड़े 25 साल पुराने एक मामले में दो दोषी करार

नई दिल्ली, प्रेद्र : बोफोर्स हथियार खरीद मामले में स्वीडिश कंपनी को निर््यात में आपराधिक साजिश और जालसाजी से संबंधित 25 साल पुराने मामले में मुंबई की विशेष सीबीआइ अदालत ने एक निजी कंपनी के दो अधिकारियों को दोषी करार दिया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट लक्ष्मीकांत विदवई ने जयंत ऑयल मिल्स के निदेशक अभय वी उदेशी और कंपनी के एक कर्मचारी हरीश पांड्या को आपराधिक साजिश और जालसाजी के लिए दोषी करार दिया और उन्हें दो साल जेल की सजा सुनाई। हालिया आदेश में विदवई ने कहा कि यह फर्जीवाड़े का मामला है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत सरकार की साख को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह केवल जालसाजी की कोशिश ही नहीं, बल्कि पूरी तरह फर्जीवाड़े का मामला है।

भारत ने काउंटर ट्रेड समझौते के जरिये 1986 में 1437 करोड़ रुपये की लागत से 400 हेक्टीयर हथियार की आपूर्ति के लिए स्वीडिश कंपनी बोफोर्स के साथ समझौता किया था। उन्होंने कहा कि यह केवल जालसाजी की कोशिश ही नहीं, बल्कि पूरी तरह फर्जीवाड़े का मामला है।

भारत ने काउंटर ट्रेड समझौते के जरिये 1986 में 1437 करोड़ रुपये की लागत से 400 हेक्टीयर हथियार की आपूर्ति के लिए स्वीडिश कंपनी बोफोर्स के साथ समझौता किया था। उन्होंने कहा कि यह केवल जालसाजी की कोशिश ही नहीं, बल्कि पूरी तरह फर्जीवाड़े का मामला है।

भारत ने काउंटर ट्रेड समझौते के जरिये 1986 में 1437 करोड़ रुपये की लागत से 400 हेक्टीयर हथियार की आपूर्ति के लिए स्वीडिश कंपनी बोफोर्स के साथ समझौता किया था। उन्होंने कहा कि यह केवल जालसाजी की कोशिश ही नहीं, बल्कि पूरी तरह फर्जीवाड़े का मामला है।

▶ **सीबीआइ अदालत ने निजी कंपनी के दो अफसरों को दो साल जेल की सजा सुनाई**

▶ **अदालत ने अधिकारियों को आपराधिक साजिश और जालसाजी का दोषी माना**

केंस्टर ऑयल तथा इसके सह उत्पाद जैसी वस्तुएं आयात करेगी।

भारत सरकार ने स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) को बोफोर्स द्वारा केंस्टर ऑयल और अन्य सामग्री के आयात की निगरानी के लिए नोडल एजेंसी नामित किया था। इसी तरह बोफोर्स ने लंदन स्थित एलेक्जेंडर क्रिकटॉन एसोसिएट्स लिमिटेड को भारत से आयातित विभिन्न सामग्री की निगरानी के लिए नामित किया था।

वर्ष 1989-90 में जयंत मिल्स के निदेशकों अभय वी उदेशी और विट्टलदास जी उदेशी ने कंपनी के एक कर्मचारी हरीश के पांड्या के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने की साजिश रची। पांड्या ने हैम्बर्ग से 56 एमटी हाइड्रोक्सी स्टीयरिक एसिड का आयात किए बिना सेवा शुल्क के रूप में एसटीसी के पक्ष में देय चेक के साथ जाली आयात दस्तावेज बनाए।

स्वागत https://t.me/YK_info

मध्य प्रदेश के टेकनपुर में रविवार को राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह।

स्वागत https://t.me/YK_info

मध्य प्रदेश के टेकनपुर में रविवार को राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह।

राज्य प्रेस, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी टवीट वार में शामिल हो गए हैं। रविवार को योगी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के टवीट का उसी अंदाज में करारा जवाब दिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने परिवर्तन यात्रा में शामिल होने बंगलुरु गए योगी का स्वागत करने के साथ कटाक्ष करते हुए कर्नाटक के विकास से सीख लेने की सलाह दी। उन्होंने योगी को उत्तर प्रदेश उग्र की भुखमरी का हवाला देते हुए कर्नाटक यात्रा के दौरान इंदिरा कैंटीन और राशन की दुकान आदि से सीख लेने को कहा। इसके जवाब में मुख्यमंत्री योगी ने भी कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का सवाल उठा दिया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के शासन में कर्नाटक में सबसे से अधिक आत्महत्या हुई हैं। इसके अलावा योगी ने ईमानदार अधिकारियों के बेमेल तबादलों का सवाल उठा पलटवार किया।

आसियान से संवाद की साझेदारी रणनीतिक भागीदारी में बदल गई

सिंगापुर, प्रेद्र : विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने रविवार को यहां आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों का संगठन) देशों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि भारत का आसियान देशों के साथ संवाद रणनीतिक साझीदारी में विकसित हो गया है। भारतीय प्रवासी इन देशों के साथ मजबूत होते संबंधों के लिए मंच मुहैया करा रहे हैं।

तीन देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर सुषमा रविवार को यहां आसियान प्रवासी भारतीय दिवस को संबोधित कर रही थीं। भारत-आसियान साझीदारी के 25 साल के सफर को मील का पत्थर करार देते हुए सुषमा ने कहा, 'हमारे बीच संवाद साझेदारी एक रणनीतिक भागीदारी में बदल गई है। आसियान क्षेत्र के साथ भारत का संबंध स्पष्टता के सिद्धांत पर आधारित है।' विदेश मंत्री ने भारत की प्रगति में देश के राज्यों की भूमिका का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति और दुनिया के साथ बेहतर होते आर्थिक संबंधों में राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल की मौजूदगी का जिक्र करते हुए स्वराज ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्य आगे बढ़ेंगे और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सेतु का काम करेंगे। समय आ गया है कि भारत और दक्षिण एशिया अपने लोगों की समृद्धि और नई पीढ़ी के लिए भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें।

न करें एयर इंडिया का निजीकरण, उबरने को दें पांच साल का समय

नई दिल्ली, प्रेद्र : केंद्र सरकार से एक संसदीय समिति ने कहा है कि सार्वजनिक विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश का यह सही समय नहीं है। समिति एयर इंडिया को उबरने के लिए कम से कम पांच साल देने तथा उसका कर्ज माफ करने का सुझाव भी दे सकती है।

समझा जाता है कि समिति ने तय किया है कि एयर इंडिया को हिस्सेदारी बेचे जाने का निर्णय क्रमिक आधार पर लिया गया है जिससे उसके वित्तीय व परिचालन प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है तथा उसे अधिक ब्याज दर पर कर्ज लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थायी समिति (परिवहन, पर्यटन और संस्कृति) के निष्कर्ष के अनुसार सरकार को एयर इंडिया के निजीकरण या विनिवेश के निर्णय की समीक्षा करनी चाहिए और राष्ट्रीय गर्व के प्रतीक एयर इंडिया के विनिवेश का विकल्प खोजना चाहिए। समिति ने पाया है कि एयर इंडिया आपदाओं, देश व विदेश में सामाजिक-राजनीतिक अस्थिरता आदि में साथ खड़ा रहा है। जबकि नीति अयोग ने इन सब बातों को परे हटाकर महज कारोबारी दृष्टिकोण से एयर इंडिया का मूल्यांकन-विश्लेषण किया है।

समिति ने एयर इंडिया के प्रस्तावित विनिवेश पर संशोधित ड्राफ्ट रिपोर्ट में कहा है कि एयर इंडिया की वित्तीय पुनर्गठन योजना 2012 से 2022 तक 10 साल के लिए थी और विभिन्न पैमानों पर कंपनी में सुधार भी हुआ है। इससे लगता है कि वह उबर रही है।

▶ **संसदीय समिति ने कहा-सरकार अपने निर्णय की समीक्षा करे**

▶ **कहा-राष्ट्रीय गर्व के प्रतीक एयर इंडिया के विनिवेश का विकल्प खोजें**

समिति ने कहा, 'यह अवधि समाप्त होने के बाद सरकार एयर इंडिया के वित्तीय व परिचालन प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उसके आधार पर निर्णय ले सकती है।' संसदीय समिति ने सभी संबंधित पक्षों की राय जानने के बाद कहा कि जब एयर इंडिया ने परिचालन से मुनाफा कमाना शुरू कर दिया है। तब वह उसके विनिवेश का सही समय नहीं है। उसने कहा कि एयर इंडिया की कुछ सहयोगी इकाइयां जैसे एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, एयर इंडिया एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एलार्थस एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस मुनाफा कमा रही हैं। अतः इनका विनिवेश नहीं होना चाहिए। समिति ने कहा कि एयर इंडिया पर कर्ज नागर विमानन मंत्री के निर्णयों के वजह से हुआ है। इसे एक सार्वजनिक कंपनी के नाते कम सरकारी नियंत्रण के साथ परिचालन में बरकरार रखना चाहिए।

राज्यसभा के 34 घंटे हुए बर्बाद

नई दिल्ली, प्रेद्र : संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कार्यवाही में बाधा के चलते राज्यसभा के कामकाज का करीब आधा समय (34 घंटे) बर्बाद हो गया। विवादित मुद्दों में गुजरत चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर टिप्पणी, केंद्रीय मंत्री अनंत हेगड़े की संविधान के खिलाफ टिप्पणी और महाराष्ट्र में भीमा-कोरेगांव में दलितों पर हमले का मसला प्रमुख रहा।

राज्यसभा का शीत सत्र 15 दिसंबर को शुरू हुआ था और इसकी कुल 13 बैठकें हुईं। कार्यवाही सुचारु होने पर सदन ने करीब तीन घंटे अतिरिक्त बैठकर विधायी एवं अन्य महत्वपूर्ण कामकाज को निपटाया। सदन ने इस सत्र में कुल 41 घंटे कामकाज किया और इस दौरान कुल नौ सरकारी विधेयक पारित हुए। जनहित के 51 मामलों को विशेष उल्लेख के जरिये उठाया गया। सदन ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के बेहद उच्च स्तर, अर्थव्यवस्था की स्थिति, देश में निवेश के माहौल एवं रोजगार सृजन, देश में बढ़ती बेरोजगारी से निपटने की जरूरत जैसे मसलों पर अल्पकालिक चर्चा भी की। सत्र के दौरान 19 निजी विधेयक पेश किए गए, लेकिन चर्चा सिर्फ एक पर ही हुई। सत्र के दौरान किसी सदस्य के निजी प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी।

कह के रहेंगे **माधव जोशी**

राज 'मियों' की तोड़ी ताल साढ़े तीब ताल

उबलत

त्रिपुरा के अंबासा में रविवार को भाजपा की रैली को संबोधित करते पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह।

का भी होने वाला है। उल्लेखनीय है कि त्रिपुरा में विधानसभा का कार्यक्रम छह मार्च को समाप्त हो

रहा है। उससे पहले राज्य में नई सरकार के लिए वोट डाले जाएंगे।

बदली जिंदगी ▶ राजद प्रमुख ने सेल के अन्य कैदियों से बनाकर रखी दूरी, दिखे निराश और हताश

जेल में गुमसुम रहे लालू, वकील संग किया मशविरा

बागवानी का काम सौंपा जाए या नहीं इस पर आज लिया जाएगा फैसला

जागरण संवाददाता, रांची

चार घोटाला मामले में साढ़े तीन साल श्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व गजद प्रमुख लालू प्रसाद सकते में हैं। रविवार को उनके चेहरे पर हताशा-निराशा साफ झलक रही थी। बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल के सुत्रों के मुताबिक रविवार को उन्होंने पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। जेल में गुमसुम कभी बैठते तो कभी बेचैनी से टहलते लालू ने साथी कैदियों से भी दूरी बनाए रखी। ऑनर किलिंग के एक मामले में सजायाफता कांग्रेस के पूर्व विधायक सावना लकड़ा व हत्या के एक मामले में झरिया के विधायक संजीव सिंह उनके पड़ोसी हैं।

रविवार को जेल में लालू ने सिर्फ अपने वकील से मुलाकात की। इस दौरान मशविरे के साथ-साथ उन्होंने वकालतनामा पर दस्तखत किए। अपर डिवीजन के कैदियों समेत अन्य कैदियों ने उनसे बातचीत करनी चाही, लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया।



चार घोटाले में देवघर ट्रेजरी से अधिक निकासी मामले में सजायाफता लालू प्रसाद को जेल के भीतर काम दिए जाने पर अंतिम फैसला नहीं हो पाया है। उन्हें बागवानी से जुड़ा काम दिया जा सकता है। इसपर जेल प्रशासन विचार कर रहा है। वैसे लालू की ज्यादा उम्र को ध्यान में रखकर उन्हें काम से मुक्त भी किया जा सकता है। जेल अधीक्षक अशोक चौधरी के अनुसार लालू को काम देने के मसले पर जेल प्रशासन सोमवार को फैसला कर सकता है।

जेल गेट पर कड़ा पहरा : रविवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल का मुख्य गेट सगीन के साथे में था। केवल तीन-चार लालू समर्थक जेल गेट के इदीगढ़ नजर आए। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी। लालू के जेल मे

धूप में पढ़ा अखबार, फिर सेल में बिताया समय

लालू ने दिन का अधिकांश समय अपने सेल में बिताया। सुबह के समय कुछ देर अपने सेल के बाहर धूप में बैठकर अखबार पढ़ा। इस दौरान उनसे मिलने के लिए कई कैदी पहुंचे। कैदियों ने उनसे बातचीत की कोशिश की, लेकिन लालू ने बाद में आने की बात कही। इसके बाद अपने सेल में चले गए। उन्होंने अपने सेल में ही भोजन किया। दिन में उन्हें अरवा चावल और कद्दू की सब्जी दी गई। साथ में घी डालकर अरहर की दाल भी दी गई। रात के समय रोटी, मटर गोभी की सब्जी और दूध दिया गया। उन्होंने भोजन में साग भी ली।

रहने के दौरान रोजाना समर्थकों का रेला लगता है। रविवार को मिलने की अनुमति नहीं रहने और प्रशासनिक कार्यालय बंद रहने की वजह से लालू के लिए फल व सब्जियां भी नहीं भेजी गईं। इसके बावजूद जेल गेट पर पुलिस मुस्तैद रही। पृष्ठकर ही जेल गेट से आधा किलोमीटर दूरी पर लगी बैरिकेडिंग से लोगों को गुजरने दिया जा रहा था।

हिमाचल में कांग्रेस की हार के बावजूद सुक्खू वने रहेंगे प्रदेश अध्यक्ष

शिमला : हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की करारी शिकस्त के बावजूद अब सुखविंदर सिंह सुक्खू अध्यक्ष पद की कमान संभाले रहेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहलू गांधी ने सभी राज्यों में वर्तमान अध्यक्षों को ही जिम्मेदारी संभाले रहने के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के महासचिव जनार्दन द्विवेदी ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर इस संबंध में अवगत करवाया है।

लालू के वकील पैरोल के लिए कर रहे कोशिश : राबड़ी

राज्य ब्यूरो, पटना

चार घोटाले में गजद प्रमुख लालू प्रसाद को साढ़े तीन साल कैद की सजा के अगले दिन रविवार को उनकी इकलौती बहन गंगोत्री देवी का निधन हो गया। 175 वर्षीय गंगोत्री लंबे समय से बीमार चल रही थीं। पिछले महीने पटना के ईंदिरा गांधी आगुर्विज्ञान संस्थान में उन्हें भर्ती कराया गया था। गंगोत्री के निधन की सूचना मिलते ही राबड़ी देवी समेत पूरा परिवार उनके आवास पर पहुंचा। राबड़ी ने कहा कि गंगोत्री का निधन लालू की सजा के सदमे से हुआ है। लालू के वकील उनके पैरोल के लिए कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह अपने छह भाइयों में इकलौती बहन के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें।

गंगोत्री के पुत्र रुदल यादव ने बताया कि उनकी मां की बहुत दिनों से तबीयत खराब चल रही थी। सदी-खांसी की भी समस्या थी। रविवार दोपहर करीब पौने 12 बजे अचानक हिचकी आई और निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गोपालगंज जिले के चक्रपाण गांव में सोमवार को किया जाएगा। लालू की बड़ी बहन गंगोत्री देवी के निधन



लालू प्रसाद की बहन के निधन के बाद उनके घर पर राबड़ी देवी अपने दोनों बेटों के साथ पहुंचीं। प्रेद

की आधिकारिक सूचना उन तक नहीं पहुंची। जेल सुत्रों के मुताबिक उन्हें बहन की मौत की हिचकी आई और निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गोपालगंज जिले के चक्रपाण गांव में सोमवार को किया जाएगा। लालू की बड़ी बहन गंगोत्री देवी के निधन

इस्लाम में जिंदा आदमी की तस्वीर लगाना

मना : तारिक कासमी

सहानुरपुर : उत्तराखंड सरकार द्वारा सहायता प्राप्त मंदरसों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो लगाने के आदेश पर देवबंदी उलमा ने तोखी प्रतिक्रिया जताई है। कहा कि इस्लाम धर्म इसकी इजाजत नहीं देता, इसलिए मंदरसे में धार्मिक कार्यों



से प्रधानमंत्री का फोटो नहीं लगाया जा सक ता। रविवार को मंदरसा जामिया हुसैनिया के आलिम मुफ्ती तारिक कासमी ने कहा कि इस्लाम में जीवित व्यक्ति की तस्वीर लगाना मना है। यह धार्मिक आस्था से जुड़ा मामला है। कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। उन्हें चाहिए कि विकास की बात करें और उत्तराखंड सरकार को आदेश दें कि वह अपना आदेश तुरंत वापस ले।

गौरतलब है कि उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद सिंह रावत ने बीते दिनों प्रदेश के सभी अनुदान थी।तब इसकी पोताई परंपरागत पीले और लाल रंग में हुई थी। इधर कहाई गई पोताई में कोतवाली परिसर के कुछ खंबे और अन्य हिस्से केसरिया रंग में रंगे गए हैं।

पंजाब में 46 हजार किसानों का कर्ज माफ

गुरूप्रेम लहरी, मानसा

पंजाब की कैप्टन सरकार ने रविवार को मानसा जिले में आयोजित राज्यस्तरीय समागम में ढाई एकड़ जमीन वाले पांच जिलों के 46,556 किसानों का दो लाख तक का कर्ज माफ करने का एलान कर योजना के पहले चरण की शुरुआत की। कैप्टन ने 10 किसानों को सर्टिफिकेट भी बांटे। बाक़ी किसानों को बाद में सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। सर्टिफिकेट मिलने के बाद कर्ज माफी की राशि सीधे किसानों के खाते में जमा होगी। सीएम ने एलान किया कि किसान मजदूरों का कर्ज भी माफ किया जाएगा। इसके बाद युवाओं को नौकरी देने का अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छोटे किसान का कर्ज माफ होगा, लेकिन बड़े का नहीं। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार किसानों का डेढ़ लाख, उत्तर प्रदेश एक लाख, राजस्थान 50 हजार और मध्य प्रदेश सरकार एक लाख रुपये तक का ही कर्ज माफ कर रही है, लेकिन पंजाब सरकार किसानों के दो लाख रुपये तक कर्ज माफ कर रही है।

वादा दो लाख का, 1.02 लाख से ज्यादा किसी का कर्ज माफ नहीं : यहां हैरानी वाली बात यह है कि सरकार ने चुनाव के दौरान दो लाख

राजरस्थान की तीन सीटों पर भाजपा प्रत्याशी घोषित

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान में लोकसभा की दो और विधानसभा की एक सीट के लिए भाजपा ने रविवार को प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। कांग्रेस एक संसदीय सीट के लिए पहले ही प्रत्याशी की घोषणा कर चुकी है, शेष एक लोकसभा और एक विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रत्याशियों की घोषणा सोमवार तक होने की उम्मीद है। भाजपा ने अलवर संसदीय क्षेत्र से वसुंधरा राजे सरकार में केबिनेट मंत्री डॉ. जसवंत यादव को चुकी है। यादव सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पिछले लोकसभा और मांडलगढ़ विधानसभा सीट से शक्ति सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति के सचिव जेपी नड्डा के हस्ताक्षर के बाद रविवार दोपहर तीनों सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी की गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री सांवरलाल जाट के निधन के कारण रिक्त हुई अजमेर संसदीय सीट पर भाजपा ने उनके बेटे रामस्वरूप लाम्बा को टिकट देकर सहानुभुति सहानुभूति बटोने का प्रयास किया है। सांवरलाल जाट ने पिछले लोकसभा चुनाव में अजमेर संसदीय क्षेत्र से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट को चुनाव हराया था। कांग्रेस इस सीट से रघु शर्मा अथवा

एक समय मुलायम ने रोक दी थी सोनिया की राह

पिछड़े वर्ग की राजनीति के इन दोनों चैंपियनों के उस दौर की सियासी ताकत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि 1999 में 13 महीने की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार गिरने के बाद यह मुलायम सिंह यादव ही थे जिन्होंने सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री बनने से रोक दिया था। मुलायम ने पहले सोनिया को समर्थन का भरोसा दे दिया। सोनिया ने जब राष्ट्रपति से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया तो मुलायम ने अपने 20 सांसदों के समर्थन की चिट्ठी कांग्रेस को नहीं दी और लोकसभा के मध्यावधि चुनाव में वाजपेयी सरकार बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। मुलायम को बाद में इसकी राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी। माना जाता है कि 38 लोकसभा सीट के साथ संग्रम-एक सरकार को समर्थन देने के बाद भी मुलायम को इसी घटना की वजह से संस्कार में शामिल नहीं किया गया। अखिलेश सपा में उनके उत्तराधिकारी तो बन गए मगर राष्ट्रीय श्रितिज पर अभी मुलायम के सियासी कद की ऊंचाई उनसे बहुत दूर है।

इन दोनों के बाद यदुवंशी राजनीति के तीसरे बड़े चेहरे शरद यादव माने जाते रहे हैं। मगर अब न उनके पास जनाधार वाली पार्टी बची है और न संसद की सदस्यता। जदयू जब पहले दौर में राजग का डेढ़ दशक से ज्यादा तक साझीदार रहा था तब शरद पार्टी में लालू और मुलायम के प्रभाव को धामने वाले राजग का यादव चेहरा हुआ करते थे, जबकि बिहार में महागठबंधन का हिस्सा बनने के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी राजनीति को गोलबंद करने में खास भूमिका निभा रहे थे, मगर इस समय शरद खुद अपने राजनीतिक वजूद के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दो संसदीय सीट और एक विस सीट के लिए हो रहे हैं उपचुनाव

नाथू राम सिनोदिया को प्रत्याशी बनाने पर विचार कर रही है। महंत चान्दनाथ के निधन के कारण रिक्त हुई अलवर सीट से भाजपा ने वसुंधरा राजे सरकार में केबिनेट मंत्री डॉ.जसवंत यादव को टिकट दिया है। कांग्रेस इस सीट से उप चुनाव की घोषणा से पहले ही डॉ.कर्णसिंह यादव के नाम की वसुंधरा राजे सरकार में केबिनेट मंत्री डॉ. जसवंत यादव, अजमेर संसदीय क्षेत्र से रामस्वरूप लाम्बा और मांडलगढ़ विधानसभा सीट से शक्ति सिंह को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के महंत चान्दनाथ ने इस सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को हराया था। जितेंद्र सिंह ने अपने विश्वस्त यादव को टिकट दिलवाया है। भाजपा विधायक कीर्ति कुमार के निधन के कारण खाली हुई मांडलगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा ने शक्ति सिंह को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने फिलहाल इस सीट से प्रत्याशी की घोषणा नहीं की, लेकिन विवेक धाकड़ का नाम लगभग तय माना जा रहा है। धाकड़ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव डॉ.सीपी जोशी के निकट माने जाते हैं। तीनों सीटों पर 29 जनवरी को मतदान होगा और एक फरवरी को परिणाम आएगा।

काशी से भाजपा करेगी ‘युवा उद्घोष’

जागरण संवाददाता, वाराणसी : 2019 के लोकसभा चुनाव की लेकर भाजपा की चल रही तैयारी का अहम हिस्सा होगा य्थ ब्रिगेड। ऐसे युवा जिन्की उम्र अभी 17 वर्ष है और वे लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालेंगे। इस महाअभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र से होने जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह 20 जनवरी को ‘युवा उद्घोष’ आयोजन से इस मिशन का आगज करेंगे। कार्यक्रम के तहत संगठन के कार्यकर्ताओं के अलावा बनारस के सभी 1776 बूथ पर दस-दस युवाओं की तैनाती की जा रही है। यह ऐसे युवा हैं जो अभी तक भाजपा के सीधे कार्यकर्ता नहीं थे। सभी को बकायदे डिजिटल माध्यम से पंजीकरण करगया जा रहा है। अभी तक करीब दस हजार युवाओं का पंजीकरण हो चुका है। लक्ष्य के मुताबिक 17 हजार से अधिक युवाओं की भागीदारी 20 जनवरी के आयोजन में होनी है।

पार्टी सुत्रों का कहना है कि बनारस से युवा उद्घोष का आगाज होने के बाद संगठन ने ऐसी कवायद लोखोश से पूरे देश में करने का विचार बनाया है। आयोजन के दौरान युवाओं को संगठन साहित्य आदि भी वितरित होगा। य्थ ब्रिगेड के तहत प्रार्थमिकता तो ऐसे 17 वर्ष के युवाओं पर है जो पहली बार 2019 में वोट देंगे। प्रत्येक बूथ पर दस यूथ के लक्ष्य के लिए इस उम्र सीमा में थोड़ी गुंजाइश भी रखी गई है कि जरूरत के हिसाब से 35 वर्ष तक के युवाओं को जोड़कर टीम तैयार की जाए।

पीएम के काशी आगमन की तैयारी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने संसदीय क्षेत्र बनारस में आने को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। सूत्र बताते हैं कि यदि तैयारी बढ़िया हुई तो भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के साथ पीएम भी 20 जनवरी को बनारस में हो सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो इसी माह के अंत या फरवरी के पहले पखवारे में मोदी बनारस आएंगे।

तैयारी

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल ने दिए दो नारे, ‘अपनी सरकार अच्छी सरकार’, ‘गरीबों का कल्याण– मोदी सरकार की पहचान’

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल की रविवार को दस घंटे चली मैगथन बैठक में पार्टी नेताओं को दो

नाग दिया गया और इस नारे को आधार बनाकर चुनाव मैदान में उतरने का निर्देश दिया गया। रामलाल ने दो नारे, ‘अपनी सरकार अच्छी सरकार’, ‘गरीबों का कल्याण– मोदी सरकार की पहचान’ दिए। पांचों बैठकों में उन्होंने पदाधिकारियों, सांसदों और मंत्रियों को बताया कि किस तरह देश-विदेश में मोदी सरकार के आने के बाद भारत का मान बढ़ा। उन्होंने डोकलाम से लेकर पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। रामलाल ने पदाधिकारियों से कहा कि अपने चुनावी कैम्पेन में यह बताना है कि मोदी के आने से देश का सैन्य बढ़ा है। आम आदमी सुरक्षित हुआ है। हर घर का सपना पूरा हुआ और देश स्वच्छता की ओर बढ़ा है। विधानसभा चुनाव में मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर ही मुख्य कैम्पेन किया जाएगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को अंत्योदय के सिद्धांत के अनुसार पालन करने का निर्देश दिया।

निशाने पर रहे रहलू और कांग्रेस : बैठक में रामलाल



के निशाने पर कांग्रेस और रहलू गांधी रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं, वंशवाद है। सोनिया गांधी के बाद रहलू गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते हैं, लेकिन भाजपा में किसी को पता नहीं है कि अमित शाह के बाद कौन राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। कार्यकर्ता पुलिस से भिड़े : स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और रामलाल एक साथ पहुंचे। इस दौरान स्वागत करने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कहसुनी हो गई। कार्यकर्ता रामलाल के साथ फोटो खिंचवाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रोक दिया। विवाद को बढ़ता देखकर शहर जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल को बीच-बचाव करना पड़ा।



नईदुनिया, रायपुर : कांग्रेस आदिवासी, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के वोटरों को विशेष रूप से फोकस कर रही है। इसी रणनीति के तहत तीनों वर्ग के वोटरों को साधने के लिए जिनेश मेवाणी, कन्हैया कुमार और हार्दिक पटेल को यहां स्टार प्रचारक के तौर पर लाने का विचार चल रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश स्तरीय चुनाव प्रचार समिति और योजना एवं रणनीति समिति का गठन कर दिया है तो तीनों नेताओं को बुलाने के बीच प्रस्ताव पहले समितियों के बीच रखा जाएगा। इसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

जिनेश ने भी चुनाव जीतने के बाद ऐलान



किया था, वह भाजपा के खिलाफ प्रचार करने के लिए देश का दौरा करेंगे। कन्हैया कुमार और हार्दिक पटेल के स्वर भाजपा व संघ विरोधी हैं। ये दोनों नेता ही युवाओं और दलितों के बीच खासे लोकप्रिय हैं गए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इन नेताओं को चुनाव के समय प्रचार के लिए यहां बुलाने पर पार्टी को फायदा होगा, क्योंकि प्रदेश में 16 फीसद दलित वोटर

मौसम की मार ▶ शीतलहर और कोहरे से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित,पहाड़ पर जमने लगे पानी के पाइप

उत्तर भारत को टंड और कोहरे से राहत नहीं

राजधानी व शताब्दी सहित 69 ट्रेनें लेट, 42 के प्रस्थान समय में बदलाव

जेएनएन, नई दिल्ली

उत्तर भारत में ठंड का कहर जारी है। घने कोहरे ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश में तो रविवार को कड़ाके की सर्दी से 36 लोगों की मौत हो गई। वहीं हिमाचल के में तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया है। उत्तराखंड में भी शीतलहर का प्रकोप जारी है। पहाड़ी राज्यों में पानी के पाइप जमने लगे हैं। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अगले दो-तीन दिनों तक मौसम में बदलाव के आसार नहीं हैं। वहीं हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री रहा।

कोहरे के कारण राजधानी व शताब्दी सहित 69 ट्रेनें एक से 17 घंटे की देरी से दिल्ली के स्टेशनों पर पहुंचीं। विलंब से आने के कारण भुवनेश्वर राजधानी रविवार को रवाना नहीं हो सकी। अब यह ट्रेन सोमवार को दोपहर 12.10 बजे नई दिल्ली से चलेगी। फैकियत एक्सप्रेस, पूर्वोत्तर एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस और

दक्षिणपंथी संगठन ‘अभिनव भारत’ के न्यासी व शोधकर्ता पंकज फड़नीस ने पांच जनवरी को याचिका दायर केंद्र सरकार की 29 दिसंबर 1979 की अधिसूचना खारिज करने की मांग की। इसके जरिए पुर्तगाल के लेखक लॉरेस डि सडवांडेर की पुस्तक ‘हू किन्ड गांधी’ के आयात पर रोक लगा दी गई थी। जनहित याचिका के अनुसार सरकार ने इस पुस्तक के आयात पर रोक लगाते हुए दावा किया कि उसमें शोध स्तरीय नहीं है और वह भड़काऊ है। लेकिन याचिकाकर्ता का दावा है कि यह प्रतिबंध मनमाना और अमान्य है तथा भाषण एवं चिंतन के मौलिक अधिकार को चुनौती देता है।

फड़नीस केंद्र सरकार को गांधी की हत्या की फिर से जांच कराने का निर्देश देने की मांग करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट गये थे। शीर्ष अदालत ने अदालत मित्र नियुक्त करते हुए सवाल किया था कि क्या इतने समय बाद इस मामले की फिर जांच की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अपली सुनवाई 12 जनवरी तय की थी। फड़नीस ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में पुस्तक के आयात से रोक हटाने की मांग की है और दावा किया है, इससे इस मुद्दे पर चीजें सामने आएंगी।

सचिन तेंदुलकर की बेटी को तंग करने वाला युवक गिरफ्तार

जागरण न्यूज नेटवर्क, खड़गपुर

पूर्व क्रिकेटर सह भारत रत्न सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर को मोबाइल फोन पर परेशान करने के आरोप में मुंबई की बांद्रा थाने की पुलिस ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। रविवार को उसे हरिद्वार की अदालत में पेश किया गया।

अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद पुलिस उस लेकर मुंबई रवाना हो गई। महिषादल थाना क्षेत्र के आंदुलिया गांव निवासी 32 वर्षीय आरोपी युवक देव कुमार माईती का भांजा मुंबई फिल्म सिटी में काम करता है। उसी के जरिये आरोपी को सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा का मोबाइल नंबर मिल गया। पांच जनवरी को उसने मोबाइल पर फोन किया और सारा के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा। बेटी से जनकारी मिलने पर सचिन ने बांद्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई। स्पेशल ब्रांच ने जब आरोपी युवक का मोबाइल नंबर ट्रैस किया, तो वह नंबर पूर्व मेदिनीपुर जिले के महिषादल थाना अंतर्गत आंदुलिया गांव निवासी देव कुमार माईती का निकला। उसके बाद छह जनवरी को स्पेशल ब्रांच से दो पुलिसकर्मियों

अनूठी मिसाल

स्वावलंबी बन दे रही स्कूली बच्चों को स्वस्थ जीवन, मिड डे मील में मशरूम वाला गिरिडीह झारखंड का इकलौता जिला



कैबिनेट मंत्री की गैस एजेंसी का केश लूटा



धर्मशाला के कोतवाली बाजार में ठंड से बचने के लिए अलावा तापते लोग।

जागरण

सुहेलदेव एक्सप्रेस भी नहीं रवाना हुई। वहीं शताब्दी, राजधानी, दूरतो समेत 42 ट्रेनों के प्रस्थान समय में रविवार को बदलाव करना पड़ा।

हाइ कंपा देने वाली ठंड : हिमाचल के अधिकतर क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया है। पीने के पानी की पाइपें जगह-जगह पर जमनी शुरू हो गई हैं। शिमला में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस,

जबकि सुंदरनगर का -0.4, ऊना का 2.0, पालमपुर का 1.5 और बिलासपुर का 1.3 दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे कम तापमान केलंग में -12.6 में दर्ज किया गया।

उग्र में ठंड से 36 लोगों की मौत : लखनऊ में न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री तक पहुंच गया। कोहरे के साथ गलन भी शुरू हो गई है। हरदोई, श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, गोंडा, बहराइच में सर्द हवाएं चलीं। न्यूनतम तापमान

भारत–चीन सीमा को जोड़ने वाला वैली ब्रिज हुआ तैयार



उत्तरकाशी से पांच किलोमीटर दूर गंगोत्री में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर वैली ब्रिज तैयार करते बीआरओ के जवान।

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

उत्तरकाशी से पांच किलोमीटर दूर गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारत–चीन सीमा को जोड़ने वाला पुल (वैली ब्रिज) तैयार कर लिया गया है। 190 फीट लंबे पुल को तैयार करने में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को एक सप्ताह का वक्त लगा। सोमवार से पुल पर आवाजाही शुरू हो जाएगी। ज्ञात हो,दिसंबर में ओवरलैण्डेड ट्रक गुजरने के दौरान पुल टूट गया था।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के ऑफिसर कमांडेंट मेजर सरजीतो मोहंती ने बताया कि अब पुल के लिए एप्पोज रोड (संपर्क

सोमवार से वैली ब्रिज से शुरू होगी वाहनों की आवाजाही

14 दिसंबर को टूटा था 190 फीट लंबा वैली ब्रिज

मार्ग) बनाई जा रही है। रविवार रात तक यह काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नए पुल निर्माण के लिए गौचर, ऋषिकेश, नरेंद्रनगर से पुल निर्माण की सामग्री मंगाई गई, जिसमें कुछ वक्त लगा। अब तक असी गंगा नदी में पाइप डालकर वैकल्पिक आवाजाही कराई जा रही थी। आवाजाही शुरू होने से गंगोत्री घाटी के 45 गांवों के लिए भी यातायात सुगम होगा।



जागरण विशेष

17 वर्ष से चल रही है रोटी वाले बाबा की रसोई

पेड़ के नीचे तिरपात तानकर खिलाते हैं खाना

रसिक शर्मा, मथुरा

भगवान किसी को भूखे पेट नहीं सुलाते। गिरिराजजी की शगरी गोवर्धन में कोई भी भूखा-प्यासा नहीं सोता। गिरिराजजी की तलहटी में नीम के पेड़ के नीचे तिरपात तानकर एक बाबा भूखों का पेट भरने के लिए वर्षों से अपनी रसोई चला रहे हैं। रोज फुटपाथ पर पंगत बैठती है और प्रेम से भोजन करती है। गोवर्धन की बड़ी परिक्रमा मार्ग में कार्णिय आश्रम के पास संत बनवारी दास को गोवर्धन में रोटी वाले बाबा के नाम से लोग जानते हैं। वह आर्मी से रिटायर हैं और तलहटी में नीम के पेड़ के नीचे बैठकर भूखों का पेट भरने के लिए तप कर रहे हैं। दिव्य पर्वतराज के आंगन का इस रसोई में शाम पांच बजे से पंगत शुरू होती है और तब तक चलती है, जब तक यहां आने वाले लोगों का पेट नहीं भर जाता है। रोटी वाले

राहत के आसार नहीं
उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में दिनभर चटख धूप रही, लेकिन बर्फाली हवा बेचैन करती रही। वहीं मैदानी क्षेत्र कोहरे की मार से परेशान रहे। रविवार को देहरादून में धूप के बावजूद हवा में ठिठुरन रही, लेकिन सर्द हवा लोगों को परेशान करती रही। मसूरी में न्यूनतम तापमान शून्य से एक डिग्री नीचे रिकार्ड किया गया। रात को नलों में पानी जमने लगा है। रुद्रप्रयाग, चमोली और पौड़ी में पाला पड़ रहा है, जबकि हरिद्वार, रुड़की और कुमाऊं के तराई क्षेत्र में सुबह घने कोहरे के कारण यातायात प्रभावित रहा।

2.2 डिग्री के साथ बहराइच प्रदेश में सबसे ठंडा रहा।कोहरे के चलते हापुड़ देहात थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर एक के बाद एक छह वाहन भिड़ गए। इस हादसे में मेरठ के पूर्व सांसद हाजी शाहिद अखलाक के भतीजे सहित दो की मौत हो गई। वहीं कन्नौज में कोहरे के बीच आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह खड़ी गई है। हरदोई, श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, गोंडा, बहराइच में सर्द हवाएं चलीं। न्यूनतम तापमान

बांडीपोरा में पाकिस्तान का राष्ट्रगान गाने पर चार खिलाड़ी गिरफ्तार

राज्य व्यूरो, जम्मू : उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा में क्रिकेट मैच से पहले खिलाड़ियों ने पाकिस्तान का राष्ट्रगान गाया। इसका वीडियो वायरल होते ही पुलिस हस्तगत में आ गई। चार खिलाड़ियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना बांडीपोरा के आरिफ क्षेत्र की है। गांव में दो स्थानीय टीमां गोंडीपोरा और दर्दपोरा क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया।

दोनों ही टीमां के खिलाड़ी मैच शुरू होने से पहले एक लाइन में खड़े थे। एक ने हरे रंग की तो दूसरे ने सफेद रंग के कपड़े पहने थे।लाउड स्पीकर पर मैच शुरू होने से पहले पाकिस्तान का राष्ट्रगान बजा जिसे खिलाड़ी भी गुनगुना रहे थे। कुछ ही देर के बाद इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो देखते ही प्रशासन के होश उड़ गए। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी तुरंत हस्तगत में आ गए। उन्होंने मैच के आयोजकों और खिलाड़ियों की धरपकड़ के लिए अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने चार खिलाड़ियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी बांडीपोरा जुलफिकार आजाद के अनुसार इस मामले में प्रतियोगिता के आयोजकों व अन्य खिलाड़ियों को हिरासत में लेने के लिए कार्रवाई जारी है। वहीं सोशल मीडिया पर लोगों ने मैच से पहले पाकिस्तान का राष्ट्रगान गाने की कड़ी आलोचना की है। ज्ञात हो, कश्मीर घाटी में अलगाववादी आए दिन राष्ट्रविरोधी हरकतें करते रहते हैं। हालांकि आम लोग खासकर युवा वर्ग उनकी ऐसी हरकतों को पसंद नहीं करते।



गोवर्धन क्षेत्र में कार्णिय आश्रम के पास रोटी बनाते संत बनवारी दास उर्फ रोटी वाले बाबा।

बाबा सुबह से शाम तक यही प्रार्थना करते हैं कि शाम तक कम से कम पांच सौ लोग पेट भर भोजन कर जाएं। उनकी एक ही चिंता रहती है कि आज के भोजन में किस प्रकार की मिठाई परोसी जाए। सब्जी किसकी बनाई जाए। खीर, हलवा, लड्डू, मोहनथार, मीठी-रोटी भी भोजन तप कर रहे हैं। दिव्य पर्वतराज के आंगन का इस रसोई में शाम पांच बजे से पंगत शुरू होती है और तब तक चलती है, जब तक यहां आने वाले लोगों का पेट नहीं भर जाता है। रोटी वाले

बड़े पैमाने पर मरम्मत के कार्यों से भी ट्रेनें हो रही लेट

नई दिल्ली, प्रे्र : देश की 10 में से 4 ट्रेनें कोहरे, प्राकृतिक अनियमितताओं या दुर्घटनाओं की वजह से नहीं, बल्कि रेलवे में बड़े पैमाने पर चल रहे मरम्मत कार्यों की कारण देरी से चल रही हैं।

2017 में अप्रैल और दिसंबर के बीच रखरखाव कार्यों में 2016 की तुलना में 43 फीसद की वृद्धि हुई।पिछले साल इस समयावधि के दौरान 1,09,704 ट्रेनें लेट हुईं, जबकि 2016 में ये आंकड़े 16,092 कम थे। इन आंकड़ों में 5 प्रतिशत ट्रेनें दुर्घटनाओं के कारण, 20 प्रतिशत ट्रेनें खराबी के कारण और 40 प्रतिशत ट्रेनें मरम्मत कार्यों की वजह से विलंबित हुईं। ऐसे में यात्रियों को मरम्मत और रखरखाव कार्यों के कारण अधिक समय खर्च करना पड़ेगा। 2017 में अप्रैल और नवंबर के बीच रेलवे ने पिछले साल के मुकाबले रखखाव के लिए औसत ब्लॉक घंटों में 18 फीसद की वृद्धि हुई, जिसके कारण पूरे नेटवर्क में परिचालन विलंबित हुआ।

प्यार–मोहब्बत से रहेंगे, कोर्ट में जमा करेंगे हलफनामा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर

2013 में हुए दंगे को लेकर दर्ज मुकदमों में समझौते का प्रयास परवान चढ़ता नजर आ रहा है। रविवार को गांव लोई में हुई बैठक में दोनों पक्षों के लोगों ने शिरकत की। सभी ने आपसी सौहार्द के साथ रहने का निर्णय लिया। इसके तहत जल्द ही अदालत में शपथ पत्र जमा कर दिए जाएंगे।

दंगे के दौरान दर्जनों गांवों से मुस्लिम समुदाय के लोगों का पलायन हो गया था। इस दौरान दंगे में हिंदू व मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे के खिलाफ हत्या, लूट, बलात्कार, डकैती जैसे संगीन मुकदमे दर्ज कराए थे। इसके बाद दोनों समुदाय अधिकारी तुरंत हस्तगत में आ गए। उन्होंने मैच के आयोजकों और खिलाड़ियों की धरपकड़ के लिए अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने चार खिलाड़ियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी बांडीपोरा जुलफिकार आजाद के अनुसार इस मामले में प्रतियोगिता के आयोजकों व अन्य खिलाड़ियों को हिरासत में लेने के लिए कार्रवाई जारी है। वहीं सोशल मीडिया पर लोगों ने मैच से पहले पाकिस्तान का राष्ट्रगान गाने की कड़ी आलोचना की है। ज्ञात हो, कश्मीर घाटी में अलगाववादी आए दिन राष्ट्रविरोधी हरकतें करते रहते हैं। हालांकि आम लोग खासकर युवा वर्ग उनकी ऐसी हरकतों को पसंद नहीं करते।

राष्ट्रीय जाट संरक्षण समिति व दंगा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने दोनों समुदाय के फैसले करवाने की पहल की। इस बाबत दोनों समुदाय के लोगों ने समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव से भी वार्ता की। इसी क्रम में रविवार को फुगना के गांव लोई में दोनों समुदाय के करीब 150 लोगों की बैठक हुई। पंचायत में दोनों समुदाय के लोगों ने फैसलों को सही व जरूरी

नेशनल न्यूज 7

फीरोजाबाद में हाईवे पर ट्रक पलटा, 11 लोगों की मौत



फीरोजाबाद : सड़क हादसे में ट्रक के नीचे दबी कार और ऑटो।

जागरण संवाददाता, फीरोजाबाद

सिरसागंज के पास हाईवे के सोथरा चौगहे पर रविवार शाम दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। बेकाबू ट्रक चौगहे पर मुड़ते समय पलट गया। कार व ऑटो सहित चौराहे पर खड़े राहगीर ट्रक के नीचे दब गए। हादसा होते ही चौराहे पर हाहाकार मच गया। ट्रक के नीचे दबे शवों को करीब दो घंटे बाद निकाला जा सका।

सोथरा चौराहे पर ओवरब्रिज का निर्माण

चल रहा है। यहां से गुजरने के लिए वाहनों

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

रफ्तार से आए ट्रक के चालक ने चौराहे पर

ट्रक मोड़ने का प्रयास किया। रफ्तार अधिक

होने से ट्रक पलट गया। सड़क किनारे खड़ी

आगरा की वैगनआर कार और ऑटो समेत पास

खड़े कुछ लोग ट्रक के नीचे दब गए। क्रेन मंगा

कर ट्रक हटाया गया। घायलों को शिकोहाबाद

भिजवाया। हादसे में अब तक 11 लोगों के मरने

की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की ही शिनाख्त

हो गई।

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

रफ्तार से आए ट्रक के चालक ने चौराहे पर

ट्रक मोड़ने का प्रयास किया। रफ्तार अधिक

होने से ट्रक पलट गया। सड़क किनारे खड़ी

आगरा की वैगनआर कार और ऑटो समेत पास

खड़े कुछ लोग ट्रक के नीचे दब गए। क्रेन मंगा

कर ट्रक हटाया गया। घायलों को शिकोहाबाद

भिजवाया। हादसे में अब तक 11 लोगों के मरने

की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की ही शिनाख्त

हो गई।

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

रफ्तार से आए ट्रक के चालक ने चौराहे पर

ट्रक मोड़ने का प्रयास किया। रफ्तार अधिक

होने से ट्रक पलट गया। सड़क किनारे खड़ी

आगरा की वैगनआर कार और ऑटो समेत पास

खड़े कुछ लोग ट्रक के नीचे दब गए। क्रेन मंगा

कर ट्रक हटाया गया। घायलों को शिकोहाबाद

भिजवाया। हादसे में अब तक 11 लोगों के मरने

की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की ही शिनाख्त

हो गई।

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

रफ्तार से आए ट्रक के चालक ने चौराहे पर

ट्रक मोड़ने का प्रयास किया। रफ्तार अधिक

होने से ट्रक पलट गया। सड़क किनारे खड़ी

आगरा की वैगनआर कार और ऑटो समेत पास

खड़े कुछ लोग ट्रक के नीचे दब गए। क्रेन मंगा

कर ट्रक हटाया गया। घायलों को शिकोहाबाद

भिजवाया। हादसे में अब तक 11 लोगों के मरने

की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की ही शिनाख्त

हो गई।

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

रफ्तार से आए ट्रक के चालक ने चौराहे पर

ट्रक मोड़ने का प्रयास किया। रफ्तार अधिक

होने से ट्रक पलट गया। सड़क किनारे खड़ी

आगरा की वैगनआर कार और ऑटो समेत पास

खड़े कुछ लोग ट्रक के नीचे दब गए। क्रेन मंगा

कर ट्रक हटाया गया। घायलों को शिकोहाबाद

भिजवाया। हादसे में अब तक 11 लोगों के मरने

की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की ही शिनाख्त

हो गई।

को सावधानी से मोड़ना पड़ता है। रविवार शाम

करीब पांच बजे चौराहे पर भीड़ थी। तभी तेज

शैव महोत्सव का

समापन, अब सोमनाथ

में अगले साल आयोजन

नईदुनिया, उज्जैन : बारह ज्योतिर्लिंग की पूजन

परंपरा पर आधारित शैव महोत्सव का रविवार

को समापन हो गया। अगला आयोजन 2019

में सोमनाथ (गुजरात) में होगा। समापन सत्र में

भाग लेने आई केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने खुद

की तुलना जंगल बुक के किरदार मोगली से

की। भारती ने कहा कि धर्म और राजनीति में

मेरी भूमिका मोगली की तरह ही है।

दरअसल, समारोह में भारती को मंच पर आमंत्रित करने के दौरान संचालक ने उन्हें

कुशल राजनीतिज्ञ व प्रखर वक्त बताया। इस

पर भारती ने कहा, मैं प्रखर वक्ता नहीं। आपके

इस तरह कहने से मैं दबाव में आ गई हूं। मैं तो

मोगली की तरह हूं, जो जिसके बीच में रहता है

वैसा हो जाता है।

भारती ने कहा,इस देश पर किसी का भी राज रहा हो मगर भारतीयों के मन में सदैव धर्म का राज है। तमाम धर्मकियों के बाद भी श्रद्धालु धर्मस्थलों पर बेखोफ जाते हैं। उनके मन में यह भावना रहती है कि अगर वहां मर भी जाए तो मोक्ष मिलेगा और प्रभु के दर्शन हो

गए तो जीवन धन्य हो जाएगा। वहीं भारत की पुरातन धर्म संस्कृति की पूंजी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकारीवाह मुखेश भैयाजी जोशी ने कहा, भारत भूमि अध्यात्म और योग की है। यहां का जीवन मूल्यों पर चलता है। नैतिकता हमारी जीवन शैली है। यहां की समस्याओं का कारण धर्म की विस्मृति है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग प्रतिनिधियों को साँपा ध्वज : इससे पूर्व समापन समारोह में अतिथियों को सम्मान किया गया।

नागरिक उड्डयन मंत्री के जिले में माफिया ने बेची एरोइम की मिट्टी

अरविंद राणा, हजारीबाग

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत

सिन्हा के अपने ही गृह क्षेत्र में माफिया ने

एरोइम की मिट्टी बेच डाली। मामला

प्रकाश में आने के बाद प्रभारी जिला खनन

पदाधिकारी दारोगा राय के आवेदन पर

झारखंड खनिज पदार्थ अधिनियम के तहत

प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आवेदन में चुरच्

के मनोज मेहता को नामजद किया गया है, इनके

अलावा दर्जनों अज्ञात लोगों पर भी मामला दर्ज

किया गया है।

एरोइम की मिट्टी बेचे जाने से 2018 से हजारीबाग (झारखंड)से हवाई सेवा शुरू करने का दावा करने वाले सांसद सह मंत्री जयंत सिन्हा के सप

दैनिक जागरण

जब निराश हों तब कोई निर्णय न करें

सुरक्षा पर मंथन

यह स्वाभाविक ही है कि पुलिस प्रमुखों के वार्षिक सम्मेलन में आंतरिक सुरक्षा पर विशेष चर्चा होगी। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा होना अपेक्षित भी है और आवश्यक भी, लेकिन देखना यह है कि इस सम्मेलन में आंतरिक सुरक्षा के परिदृश्य को सशक्त बनाए जाने पर कोई ठोस विचार-विमर्श होता है या नहीं। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि ऐसे सम्मेलनों में आंतरिक सुरक्षा के समक्ष उपस्थित चुनौतियों की चर्चा तो खूब होती है, लेकिन उन चुनौतियों से पार पाने के लिए जो उपाय आवश्यक हो चुके हैं उनकी पूर्ति होती हुई नहीं दिख रही है। आंतरिक सुरक्षा के तंत्र को सशक्त करने के लिए यह जरूरी है कि पुलिस सुधारों की दिशा में आगे बढ़ा जाए, लेकिन किन्हीं कारणों से पुलिस सुधारों के नाम पर फौरी उपायों पर अमल होता ही अधिक दिख रहा है। यह एक तथ्य है कि मोदी सरकार जिन मोर्चों पर कुछ खास नहीं कर सकी है उनमें एक पुलिस सुधार भी है। यह ठीक है कि कानून एवं व्यवस्था तथा पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र का विषय है, लेकिन यह भी नहीं कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार पुलिस सुधारों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों की स्थिति एक जैसी ही रूप आती है।

चिंताजनक केवल यह नहीं है कि करीब-करीब एक दशक पहले सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस सुधारों पर जो सात सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी किए थे उनकी अनदेखी हो रही है, बल्कि यह भी है कि पुलिस वर्तमान चुनौतियों के हिसाब से पर्याप्त प्रशिक्षण एवं संसाधनों से लैस भी नहीं है। स्थिति कितनी दयनीय है, यह इससे समझा जा सकता है कि एक बड़ी संख्या में थाने बुनियादी सुविधाओं से भी लैस नहीं हैं। करीब दो सौ थाने तो ऐसे हैं जिनमें टेलीफोन की भी सुविधा नहीं है। हलांकि इस बात को सभी स्वीकार कर रहे हैं कि भारत में आबादी के अनुपात में पुलिस बल की संख्या कहीं अधिक कम है, लेकिन विडंबना यह है कि पुलिसकर्मियों के रिस्त पदों की भरती के लिए भी सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। स्थिति इसलिए और अधिक खराब है, क्योंकि संख्या बल के अभाव से जूझ रही पुलिस को अपने तमाम कर्मी तथाकथित विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा में तैनात करने पड़ रहे हैं। बेहतर हो कि पुलिस प्रमुखों के इस सम्मेलन में इस बात को महसूस किया जाए कि पुलिस आंतरिक सुरक्षा की पहली कड़ी है और उसे सबल किए बिना कानून एवं व्यवस्था के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के परिदृश्य को सुदृढ़ नहीं किया जा सकता। राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया जाए तो पुलिस के ढांचे में सुधार मुश्किल नहीं। आंतरिक सुरक्षा के समक्ष खतरों के रूप में केवल नक्सलवाद, आतंकवाद अथवा उग्रवाद सरीखे संकट ही नहीं हैं, बल्कि सामान्य कानून एवं व्यवस्था में गिरावट को लेकर आम जनता की बढ़ती चिंता भी है। यह समय की मांग है कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर पुलिस को एक सक्षम एवं आधुनिक बल के रूप में तब्दील करने की दिशा में आगे बढ़े। यह तब संभव है जब राजनीतिक दलों को इसके लिए प्रेरित किया जाए कि वे पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल करने की प्रवृति छोड़ें।

बदलाव की उम्मीद

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयरम ठाकुर की ये घोषणाएं उम्मीद जगाने वाली हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराध की जांच में पुलिस को यह रपट 48 घंटों में देनी होगी कि पुलिस ने क्या कार्रवाई की। साइबर क्राइम के खिलाफ भी तेवर तीखे दिखें हैं। दरअसल हिमाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था और खासतौर पर महिलाओं के खिलाफ अपराध एक नई चिंता के तौर पर उभरी थी। विशेषतः गुड़िया प्रकरण के बाद तो हर बच्ची के मन में खोफ पैदा होना स्वाभाविक था। उधर होशियार सिंह मामले ने भी संगठित अपराध की ओर इशारा किया था, जो सीधे तौर पर शांत प्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती था। कांग्रेस सरकार की इसी कमजोरी को उभार कर, उसे मुद्दा बना कर भाजपा सत्ता में आई है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के तीनों प्रशासनिक मंडलों शिमला, मंडी और कांगड़ा में विशेष अपराध प्रकोष्ठ स्थापित करने की इच्छा भी सकारात्मक मंश से भरी दिखती है। भाजपा का दूसरा बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार को लेकर भी था, जिसके लिए यह कहा गया है कि अटल हेल्पलाइन से भ्रष्टाचारियों पर नकेला जाएगा। यह मंशा अच्छी है और यह अगर मूर्त रूप लेती है तो इससे बेहतर और क्या होगा कि भ्रष्टाचारियों के संबंध में सरकार को कोई भी बेखोफ होकर सूचना दे सकता है। हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य में कानून-व्यवस्था का सही होना और भ्रष्टाचार से मुक्ति दो ऐसे पक्ष हैं, जिनके सुधरने के साथ ही प्रदेश के आर्थिक संदर्भ भी जुड़े हुए हैं। हवा की एक और बानगी तानजी का अनुभव करना रही है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों का यह कहना कि किसी को उनके पांव छूने की आवश्यकता नहीं है। सम्मान मन से होता है। यह संदेश अफसरशाही को भी समझना चाहिए। पानी हमेशा ऊपर से बहता है। कोई शक नहीं कि मुख्यमंत्री के स्तर से यह पहल हुई है तो आशा की जा सकती है कि यह संदेश नीचे वालों के आचरण में भी ढलेगा। खासतौर पर उमदराज लोगों का किसी के पैर छूने के लिए झुकना किसी संवेदनशील व्यक्ति को ही बुरा लग सकता है। राजनेता हों या आला अफसर, सब पहले मनुष्य हैं और उसके बाद कुछ भी हैं।

लाल–ललना के गुड़ड़े–गुड़िया

शैशव से जुड़े कई शब्द हमारे चारों ओर धमाचौकड़ी मचाते रहते हैं। यह दिलचस्प है कि ज्यादातर शब्द ऐसे हैं जो पहली नजर में तो देशज लगते हैं, पर उनका रिश्ता तत्सम शब्दों से है। गुड़ड़े-गुड़िया से बचपन की अभिन रिश्तेदारी है। छुटपन के प्रतीक गुड़ड़े-गुड़िया में एक शिशु की आदर्श छवियां होती हैं। खूबसूरत, सुंदर, गोलमटोल, स्वस्थ बच्चों का प्रतिरूप होते हैं ये। इन्हीं छवियों से आकर्षित होकर बच्चों को सीधे ही गुड़ड़ा या गुड़िया नाम मिल जाता है। गुड़ड़ा या गुड़िया की व्युत्पत्ति संस्कृत के गुडः शब्द से हुई है जिसमें गोल-मटोल, पिण्ड, कामज या कपड़े की गंद अथवा कोई अनपिंड या पुतली का भाव है। गौरतलब है कि प्राचीनकाल में बच्चों के खिलौने कपड़े से ही बनते थे, जिनमें गुड़ड़े-गुड़िया जैसे आकारों से लेकर सुग्गा-तोता, हाथी, बिल्ली व अन्य जीव-जंतुओं के आकारण भी शामिल थे। गुडः में हर तरह के पिंड का भाव है। खांडसरी का पूर्व रूप गुड भी इसी गुडः से निकला है। गुडः और इका के मेल से गुडिका बना, जिसने गुड़िया का रूप लिया। गुड़ड़ा भी इसी मूल से जन्मा। संस्कृत की ललृ धातु में लगाव, जुड़ाव और वात्सल्य का भाव है। बच्चों के लिए लाल, लाली



अमिताभ कांत

आयोग ने न केवल अपने नाम के अनुरूप काम किया है, बल्कि भारत के कायाकल्प की कवायद को नई ऊर्जा, जोश और गतिशीलता भी प्रदान की है

वर्ष 2015 में स्थापित हुआ नीति आयोग भारतीय लोकतंत्र के सबसे युवा संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना पुराने ढर्रे वाली केंद्रीकृत नियोजन वाली व्यवस्था को खत्म करके विकास एजेंडे को नई सोच देने के मकसद के साथ की गई थी। इसे सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने, विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय सहमति बनाने, विकास एजेंडे को पुनर्परिभाषित करने, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में समाधान निकालने के लिए मंच प्रदान करने जैसे दियत्व दिए गए। इनके अलावा क्षमता निर्माण और ज्ञान एवं नवाचार केंद्र की भूमिका निभाने जैसी महती जिम्मेदारियां भी इस नई नवेली संस्था को सौंपी गईं। अब चूंकि इस संस्था को अस्तित्व में आए हुए तीन साल बीत गए हैं तो आकलन करना उचित होगा कि क्या यह अपनी भूमिका के साथ न्याय कर पाया या फिर यह नई शैली में पुराने ढर्रे वाला ही संस्थान है। मेरी राय में तो आयोग अपनी भूमिका में पूरी तरह खरा उतरा और नीति निर्माण के मोर्चे पर व्यापक बदलावों का वाहक बना। पहला तो यही कि देश के नीतिगत परिदृश्य में आयोग ने सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद को नई स्फूर्ति दी। विभिन्न मंचों पर परामर्श के बाद कई प्रमुख नीतिगत प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया। केंद्र प्रायोजित योजनाओं को तार्किक बनाने, कौशल विकास, स्वच्छ भारत मिशन, कृषि विकास और डिजिटल भुगतान जैसे मसलों पर राज्यों के साथ चर्चा की गई। इनमें केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत 28 योजनाओं को चुस्त बनाया गया तो

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए तमाम पहल की गई और तमाम अन्य सिफारिशों पर अमल किया जा रहा है। केंद्र और राज्यों की साझेदारी वाली योजनाएं शुरू की गईं। इनमें शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सुधार के लिए मानव पूंजी कायाकल्प के लिए सतत योजना (एसएटीएच) जैसी पहल की गई तो बुनियादी ढांचा विकास के लिए राज्यों के लिए सतत सेवा सहयोग का आगाज हुआ। बेहतर उपचार सुविधाओं के लिए टीयर 2 और टीयर 3 शहरों के अस्पतालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) को हरी झंडी दिखाई गई। विशेष रूप से चिन्हित किए गए 115 जिलों का तकनीक और उपलब्ध सबसे बेहतर प्रक्रियाओं के जरिये कायाकल्प का काम शुरू हुआ तो देश में अंतरराज्यीय सांस्कृतिक और शैक्षिक विचारों के माध्यम से एकता भाव बढ़ाने के लिए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को आगे बढ़ाया। कुछ विशेष योजनाओं के तहत लाभ उठाने के लिए जज्यों में प्रतिस्पर्धा का भाव बढ़ाया जो व्यवस्था पूर्ववर्ती योजना आयोग से एकदम अलग है। स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और डिजिटल कायाकल्प जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर राज्यों के प्रदर्शन और रैंकिंग की व्यवस्था की गई। बेहतर नतीजों के लिए उन्हें एक दूसरे से होड़ करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है कि वे नए और बेहतर तरीके अपनाकर शानदार परिणाम हासिल कर सकें। मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने और केंद्र के साथ अटक मसलों पर समाधान निकालकर कानूनों को सुसंगत



अवधेश राजपूत

कर नियामकीय सुधारों के लिए भी राज्यों को पूरी मदद दी गई। नीति आयोग ने बीमारू सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की सेहत सुधारने में भी अहम भूमिका निभाई। इसके तहत अभी तक एयर इंडिया सहित 30 से अधिक उपक्रमों में रणनीतिक विनिवेश को मंजूरी दी जा चुकी है तो खस्ताहाल और नुकसान में चले रहे 15 बीमारू उपक्रमों को बंद करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई। संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए भी आयोग ने व्यापक दृष्टिकोण और सतत विकास की तो गृह मंत्रालय के तत्वाधान में दस द्वीपों के लिए द्वीप विकास एजेंसी यानी आइडीए की स्थापना की और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जीआइएस आधारित नियोजन का आगाज किया।

स्वास्थ्य एवं कृषि दो ऐसे क्षेत्र हैं जहां नीति आयोग ने पुरानी नियोजन प्रक्रिया के उलट क्रांतिकारी सुधारों का सूत्रपात किया। नीति आयोग द्वारा द्वाय तैयार किया नेशनल मेंडिकल कमीशन विधेयक चिकित्सा शिक्षा में भारतीय चिकित्सा परिषद के पुराने ढर्रे वाली भ्रष्ट

व्यवस्था को समाप्त करके नए युग का प्रवर्तन करेगा। इसी तरह आयोग द्वारा तैयार राष्ट्रीय पोषण मिशन का लक्ष्य भी देश से कुपोषण को मिटाना है। पहले हुए सुधारों के लाभ से वंचित रहे कृषि क्षेत्र में भी अब बंटाईदारी, प्रशासन और विपणन जैसे मोर्चों पर सार्थक सुधार हो रहे हैं। शासन के स्तर पर भी आमूलचूल बदलाव हो रहे हैं। इस दिशा में सरकारी योजनाओं को सक्षम बनाने के लिए आयोग ने सभी योजनाओं की निगरानी को संस्थागत रूप देने की पहल की है। विकास, निगरानी एवं आकलन कार्यालय इसी मकसद के लिए स्थापित किया गया है। उचित निगरानी समूची बजट प्रक्रिया का कायाकल्प कर देगी। नीति निर्माण में विशेषज्ञों की भागीदारी के लिए समावेश जैसा कार्यक्रम शुरू किया गया जिसके लिए 34 ज्ञान एवं शोध संस्थानों के साथ करार किए हैं। नीति व्याख्यान शृंखला के तहत वैश्विक बुद्धिजीवी और विचारक विभिन्न नीतिगत मसलों पर नीति निर्माताओं के साथ मंत्रणा कर शासन में नए विचारों और बहस को बढ़ावा देते हैं। इसी तरह चैंपियन ऑफ चेंज पहल में युवा सीईओ और उद्यमी नीतिगत मसलों पर अपनी राय पेश करते हैं। प्रकाशनों

परिवार में छिपी किशोर अपराध की जड़

यह लेख लिखते समय अनायास ही चीन के आधुनिक साहित्य के महान कथकार लु शून (1881-193६) की एक प्रसिद्ध कहानी ‘एक पागल की डायरी’ याद आ रही है। इस कहानी का नायक पागल कहता है, ‘चार हजार साल से हम मनुष्य का भोगत खाते आ रहे हैं और बच्चे ने उसे नहीं चखा है। बच्चों को बचाओ।’ आज जब हम बच्चों को हल्का और सामूहिक दुकर्म जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त पाते हैं तो लगता है कि हमने लु शून की उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। और अब बच्चे की भी आदमी का गौरव चख लिया है। नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले जघन्य अपराधों ने पूरे देश के माथे पर लकीरें पांच साल पहले हुए निर्भया कांड के दौरान उकेरी थीं। 23 वर्षीय निर्भया के साथ की गई दरिंदगी में कुल जो छह लोग शामिल थे, उनमें एक 18 वर्ष से कम उम्र का भी था। उनमें से पांच को तो फांसी की सजा हो गई, लेकिन एक बच गया। इसके बाद नाबालिग की उम्र की सीमा 18 से घटाकर 16 करनी पड़ी। साथ ही कुछ दिनों पहले एक लड़के पर केस चलाने के मामले पर जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने कहा कि चूंकि अभियुक्त ने जघन्य अपराध किया है और वह इस अपराध के दंड को समझने के योग्य था, इसलिए उस पर मुकदमा वयस्कों की तरह ही चलेगा।

हाल में हुई कुछ अन्य अत्यंत दुःखद घटनाओं से तो लोगों की आंखें फटी की फटी रह गई हैं। गुरुग्राम के एक नामी स्कूल के एक लड़के ने स्कूल के एक बच्चे की हत्या केवल इसलिए कर दी, ताकि कुछ दिनों के लिए परीक्षा टल जाए। नोएडा में तो एक लड़के ने अपनी मां और बहन को इसलिए मार डाला, क्योंकि वे उसे डांटते थे। इसी सिक्के का एक दूसरा पक्ष हमें स्वयं के प्रति उनके द्वारा उठाए गए क़दमों में दिखाई देता है। नाबालिगों एवं युवाओं की आत्महत्या की खबरें आज आम हो गई हैं। ‘ब्लू क्लेल’ के खोफनाक खेल ने जघन्यता के उस नए स्वरूप को प्रस्तुत किया है जिसमें स्वयं के प्रति क्रूरता के विभिन्न चरण दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराध कुल अपराध का लगभग एक प्रतिशत होते हैं। तीन साल पूर्व के लगभग 45 हजार बाल अपराधों में लगभग 30 हजार अपराध 16 से 18 वर्ष की उम्र के बच्चों द्वारा किए गए। राज्यसभा में बताया गया है कि इस तरह के अपराधों में पिछले पांच सालों में लगभग 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जो बहुत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद इस समस्या पर विमर्श के जो बिंदु सामने आए उनमें से अधिकांश का

नाबालिगों के अपराध को परिवार एवं समाज द्वारा किए जाने वाले अपराध के रूप में देखा जाए। तभी कुछ हल निकल सकेगा



संबंध मुख्यतः इससे जुड़े कानूनों में सुधार और कठोर दंड व्यवस्था से था। इनका अपनी जगह औचित्य है, लेकिन इसे ही पर्याप्त मान लेना एक बड़ी भूल होगी। इस समस्या की जड़ों की तलाश हमें सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक क्षेत्रों में करनी होगी। इसके लिए मैं अस्सी के दशक में राजकपूर की आई फिल्म ‘बाँबी’ के एक दृश्य की याद दिलाना चाहूंगा। हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा धनी परिवार का एक नाबालिग बेटा जब अपने जन्मदिन पर घर लौटता है तो वहां पार्टी और सजावट तो खूब हैं, लेकिन उसके माता-पिता नहीं। वे अपने बेटे को ‘एचवीए’ करने की बात कहकर स्वयं और कहीं चले जाते हैं। मां-बाप के इस व्यवहार से बेटा (ऋषि कपूर) अंदर से टूट जाता है और हताश होकर अपने एक निम्नवर्गीय परिचित के यहां चला जाता है, जहां उसकी भेंट बाँबी नाम की एक लड़की से होती है।

दरअसल इस छोटे से किंतु अत्यंत भावनात्मक दृश्य में बालमन की अनेक परतें और छवियां दिखाई देती हैं। आज माता-पिता के पास समय की कमी के कारण बच्चे नियतत ही एकाकी होते जा रहे हैं। एकल पारिवारिक संरचना ने



क़रुणा के बगैर जीवन एक पाखंड है। पीडित की आह बनकर क़रुणा हमें पुकारती है और उसे हम रसमय संगीत में तलाशते हैं। वृत्तियों का अरिता चित्त से होता है, किंतु क़रुणा शुद्ध हृदय से संबंधित है। लंबी साधना के बाद जब गौतम महाप्रज्ञा को लेकर क़रुणा जगी तो वह भगवान बुद्ध बन गए। बुद्ध की साधना का लक्ष्य व्यक्तिगत निर्वाण न होकर सर्वगत कल्याण था। यही कारण है कि बुद्ध को ‘अर्हत’ की यात्रा रास नहीं आई और वे अनवरत साधना करते हुए ‘बोधिसत्व’ तक पहुंचे। विश्वकल्याण ही बोधिसत्व का निहितार्थ है। ऐसा व्यक्ति क़रुणा की जीवंत मूर्ति है। वह दुःखियों की आह से द्रवित होकर तक्रिा है कि संसार के सारे दुःखों को मेरे भीतर डेड़ल दो ताकि सभी प्राणी इनसे मुक्त हो सकें। बुद्ध की क़रुणा किसी अलौकिक समत्कार का परिणाम नहीं है, बल्कि आत्मविजय का प्रतिलोक है। उनके भीतर क़रुणा की धारा फूटी थी रोगी की काया देखकर, बुढ़े बेल की पिटाई देखकर, जमीन पर घिसटते हुए बुढ़ेपन को देखकर और कधे पर लदे शव को देखकर। इन घटनाओं ने बुद्ध को भीतर तक आहत कर दिया। उन्होंने अनुभव किया, ‘दुनिया में हरद्वयों ने जितने आसू बहाए हैं, वह महासागर के जल से भी कहीं अधिक है।’ क़रुणा के बगैर मानवीय वृत्तियों पर प्रश्न निह्न लग जाता है। अहिंसा, प्रेम, दान आदि गुणों का अपना कोई अर्थ नहीं है। जब वे क़रुणा की कोख से जन्म लेते हैं तो उनका मूल्य बढ़ जाता है। क़रुणा और अहिंसा में फर्क है। क़रुणा सकारात्मक सोच है। इसका अर्थ है किसी के दुःख-दर्द में सक्रिय रूप से भागीदार बनना। यदि किसी के रास्ते में कोई बिछे हैं तो कारुणिक व्यक्ति सहज भाव से उसे हटाएगा, पर अहिंसक व्यक्ति किसी के रास्ते में कांटें नहीं बिछाएगा। प्रेम और क़रुणा में फर्क है। एक पति अपनी पत्नी से बहुत प्रेम करता है, परंतु उस पर मालिकाना हक़ कभी भी छोड़ने को तैयार नहीं होता। मालिक होना भी दुःख का कारण है। प्रेम तो है, क़रुणा नहीं है। प्रेम में सुख है, क़रुणा में पीड़ा। प्रेम में रस है, क़रुणा में रिसता हुआ घाव। प्रेम फूल है, क़रुणा रूख की चुभन। क़रुणा को कोख से जन्म लेकर अहिंसा सकारात्मक बनती है, दया निरहंकारी बनती है और प्रेम मुक्तिदायी बनता है।

डॉ. दुर्गादत्त पांडेय

मेलबक्स

छोटे जोत में कृषि कल्याण

कृषि और किसान कल्याण को लेकर ठोस रणनीति की जब हम बात करते हैं तो उसमें सबसे पहले 86 प्रतिशत लघु और सीमांत किसानों की बात आती है, जो लगातार हॉशिये पर जा रहे हैं। यदि भारतीय परिदृश्य में कृषि एवं किसान का कल्याण सुनिश्चित करना है तो इन्हीं 86 प्रतिशत किसानों को ध्यान में रखकर रणनीति एवं कार्य योजना तैयार करनी होगी। इस दिशा में सबसे पहले बीज वितरण प्रणाली, सिंचाई सुविधा, वित्तीय सहायता, बाजार व्यवस्था, भंडारण सुविधा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लघु एवं सीमांत जोत को ध्यान में रखकर नीति बनानी होगी। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि सक्षम किसान आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था खुद कर सकते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में कमजोर और संसाधन विहीन किसान पीछे छूट जाते हैं। इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए सबसे पहले परंपरागत कृषि उत्पादन की जगह नगदी फसल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देना होगा। फसल की प्राथमिकता तैयार करते समय देश-दुनिया की जरूरतों के साथ मौजूदा परिस्थितियों में उत्पादन क्षमता पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए, कार्य योजना आगे बढ़ानी होगी। इन सभी विषयों से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि कृषि उत्पाद खरीद व्यवस्था को सशक्त और प्रभावी बनाना, जो किसानों के हितों का पूरा ख्याल रख सके। कृषि उत्पाद की खरीदारी व्यवस्था को नियमित करते समय सबसे अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। अभी तक के तमाम प्रयोग और प्रयास समस्या को दूर करने की दिशा में सफल साबित नहीं हुए हैं। सरकार को इस क्षेत्र में निजी

व्यवस्था के तहत सरकारी हस्तक्षेप को प्राथमिकता देनी होगी। सरकार खरीद प्रक्रिया में सीधे भाग न लेकर खंडागत व्यवस्था को सशक्त करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकती है, जिसमें किसानों के साथ भेदभाव की कोई गुंजाइश न हो।

sumitkumarjha910@gmail.com

कैसा स्वराज

समाजसेवी अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में एक से एक नामचीन हस्तियां जुड़ीं। जनता ने इस आंदोलन को सर आँखों पर बिठाया। कंपनियाँ के मालिकों ने अपने कर्मचारियों को छुट्टी दे दी, ताकि वे आंदोलन में भाग ले सकें। रिश्ते वाले, ओटो वाले सबने इस आंदोलन में सहयोग किया। कोई मुफ्त में पानी बाँट रहा था तो कोई खाने का अन्य सामान। इसके फलस्वरूप आम आदमी पार्टी का गठन होता है।।स्वराज की बात करने वाली इस पार्टी ने लोगों से पूछ कर जल्दयाशी चयन की बात की थी। अब राज्यसभा के लिए ऐसे उम्मीदवार बनाए हैं जिस पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है।

babatikumari983@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के विचार संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, गवैर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

पहल ▶ राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में जल्द शुरू होगा सोलर रोड बनाने पर शोध

फ्रांस और नीदरलैंड की तर्ज पर अब देश में भी बनेंगी सोलर रोड

शोध पूरा होने के बाद देश में सोलर टाइल्स के निर्माण के ऊपर दिया जाएगा जोर

आदित्य राज, गुरुग्राम

फ्रांस एवं नीदरलैंड की तर्ज पर देश में भी जल्द ही सोलर रोड दिखाई दे सकती हैं। यानी ऐसी सड़कें, जिसकी सतह के नीचे सोलर पैनल लगे होंगे और ऊपर वाहन दौड़ेंगे। इसके लिए जल्द ही राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में शोध शुरू किया जाएगा। शोध के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। नीदरलैंड के साथ एमओयू भी किया गया है ताकि कम से कम समय में शोध पूरा हो सके। शोध पूरा होते ही सोलर पैनल बनाने वाली भारतीय कंपनियों को सोलर टाइल्स बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

जलवायु परिवर्तन को देखते हुए दुनिया के अधिकतर देशों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से काम शुरू हो चुका है। सोलर पैनलों का



संजय कुमार, UP महानिदेशक



फ्रांस में बनाई गई सोलर रोड।

फाइल फोटो

निर्माण तेज करने के साथ ही अब सोलर रोड बनाने की दिशा में कई देश कदम बढ़ा चुके हैं। इनमें फ्रांस एवं नीदरलैंड के नाम भी शामिल हैं। सोलर रोड बनाने वाले देशों की श्रेणी में शामिल होने के लिए भारत ने भी प्रयास शुरू कर दिया है। पहले गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में शोध किया जाएगा, फिर रोड का निर्माण शुरू किया जाएगा। वैसे बहुत अधिक शोध करने की आवश्यकता नहीं है

क्योंकि दुनिया के कई देशों में रोड का निर्माण हो चुका है।
वाहन दौड़ेंगे, बिजली भी पैदा होगी
: सोलर रोड बनाए जाने से कई फायदे होंगे। इसके ऊपर वाहन भी दौड़ेंगे और बिजली भी पैदा होगी। सोलर रोड न टूटे, इसके लिए सोलर सौर ऊर्जा संस्थान में शोध किया जाएगा, फिर रोड का निर्माण शुरू किया जाएगा। वैसे बहुत अधिक शोध करने की आवश्यकता नहीं है

माघ मेला क्षेत्र में खाकचौक के रामानंदाचार्य के जुलूस पर रार

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद

जगद्गुरु रामानंदाचार्य की जयंती सोमवार को है। हर साल माघ मेला क्षेत्र में खाकचौक के महंतों द्वारा रामानंदाचार्य का भव्य जुलूस निकाला जाता है। दो गुटों में महंतों के बंटने के चलते इस बार जुलूस को लेकर महंतों में रार चल रही है। खाकचौक व्यवस्था समिति ने मेला क्षेत्र में सिर्फ एक जुलूस निकालने की मांग प्रशासन से की थी। इससे इतर दूसरे गुट की अगुवाई कर रहे महामंडलेश्वर माधव दास जुलूस निकालने पर अड़े रहे। आपसी टकराव रोकने के लिए प्रशासन ने बीच का रस्ता निकालते हुए दोनों गुट को अलग-अलग समय पर जुलूस निकालने की अनुमति दी है, जिसे माधव दास उचित नहीं मानते।

रामानंदाचार्य जुलूस को लेकर खाकचौक व्यवस्था समिति से जुड़े महंतों ने शनिवार की रात बैठक कर सिर्फ एक जुलूस निकालने का निर्णय लिया। इसमें कहा गया कि अभी तक समिति में विवाद चल रहा था, जो अब नहीं है। ऐसे में प्रशासन सिर्फ एक जुलूस निकलवाए, पतंतु महामंडलेश्वर माधव दास का कहना था

महंतों में टकराव

► **प्रशासन ने अलग-अलग समय पर जुलूस निकालने की दी अनुमति**

► **महामंडलेश्वर माधव दास बोले, मेला प्रशासन कर रहा गलत काम**

कि वह वर्ष 1980 से जुलूस निकाल रहे हैं, यह परंपरा अबकी भी जारी रहेगी। यह हर हाल में जुलूस निकालेंगे। महंतों के बीच चल रहे विवाद को देखते हुए प्रभारी मेलाधिकारी रजिव शय ने रविवार को दोनों पक्षों से बात की। इसमें समिति से जुड़े महंतों को सुबह आठ बजे व महामंडलेश्वर माधव दास को 11 बजे जुलूस निकालने का समय तय किया। समिति के प्रधानमंत्री महामंडलेश्वर संतोष दास ने प्रशासन के सुझाव पर सहमति जताते हुए कहा कि हम अनायास विवाद नहीं करना चाहते। प्रशासन ने हमें महत्व देते हुए पहले जुलूस निकालने की गुजारिश कर रहा है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। वहीं माधव दास जुलूस तो निकालेंगे, लेकिन उनका कहना है कि प्रशासन का निर्णय अव्यावहारिक है।

लखनऊ के राजकीय बालगृह में लिखी गई ‘ बजरंगी भाईजान ’ की पटकथा

जितेंद्र उपाध्याय, लखनऊ

फिल्म ‘बजरंगी भाईजान’ की कहानी तो आपको याद ही होगी। वैसे ही कहानी एक बार फिर लखनऊ के मोतीनगर स्थित राजकीय बालगृह (बालिका) में लिखी गई। फिल्म में एक मूकबधिर किशोरी को पाकिस्तान पहुंचाने की कहानी थी, यहां दो किशोरियों के साथ दो पड़ोसी देशों बांग्लादेश और नेपाल का मामला रहा। सलमान खान का किरदार स्वयं बालगृह ने निभाया।

करीब एक साल पहले बांग्लादेश निवासी 14 वर्षीय सलीमा अपनी मौसी के साथ दिल्ली जा रही थी। अमरगंहा स्टेशन पर पानी पीने के लिए उतरी, तभी ट्रेन छूट गई। जीआरपी ने उसे चाइल्ड लाइन को सौंप दिया। सलीमा न तो अपने बारे में और न ही घरवालों के बारे में ही कुछ बता पा रही थी। वहां के उसे लखनऊ के मोतीनगर स्थित राजकीय बालगृह (बालिका) में लाया गया। सलीमा की भाषा भी समझ से परे थी। महीनों कार्डसिलिंग के बाद पता चला कि वह बांग्लादेश की है। बालगृह की अधीक्षिका



राजकीय बालगृह में बांग्लादेश की सलीमा (बीच में) परिजनों के साथ घर जाने को तैयार।

दोनों विदेशी किशोरियों को उनके परिवारिजन के सिपुर्द करने में शिक्षिका प्रेरणा व काउंसलर भारती संग बालगृह कर्मचारियों की भी अहम भूमिका रही। दोनों लड़कियों को उनके परिवारिजनों से मिलाकर काफी सुकून मिला।

– रीता टट्टा, अधीक्षिका, राजकीय बालगृह (बालिका) मोतीनगर

साधना के लिए ऋषिकेश पहुंचा आस्ट्रेलियाई साधकों का दल

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: शांति स्थापना मिशन के लिए कार्य कर रही आस्ट्रेलिया की पहली महिला गुरु शक्ति दुर्गा के नेतृत्व में साधकों का दल परमार्थ निकेतन पहुंचा। यह दल तीर्थनगरी में रहकर स्वयं को शांत और प्रफुल्लित रखने के लिए अभ्यास करेगा।

रविवार को गुरु शक्ति दुर्गा के नेतृत्व में परमार्थ निकेतन पहुंचे दल ने परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज से भेंट की। स्वामी चिदानंद ने शक्ति दुर्गा से विश्व स्तर पर शांति स्थापित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शांति को संसाधनों की तरह हासिल नहीं किया जा सकता, बल्कि उसके लिए निरंतर अभ्यास जरूरी है। शांति किसी विचारधारा या किसी सम्प्रदाय का परिणाम नहीं बल्कि शांति तो जीवन जीने का तरीका है। इस अवसर पर दल के सदस्यों ने गंगा के तट पर दिव्य गंगा आरती एवं हवन में सहभाग किया। उत्ल्लेखीय है कि दुनिया के तमाम देशों से लोग शांति की तलाश में देवभूमि उत्तराखंड आते हैं।

लोगों के रहमोकरम पर जिंदा है एक समय का आइएफएस अधिकारी

जागरण संवाददाता, जयपुर

वक्त की मार किसी ईशान को कहां से कहां पहुंचा देती है, इसका उदाहरण हैं डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के रहने वाले शर्मा तीन विषयों में डॉक्टरेट और भारतीय विदेश सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, लेकिन तीन दिन पहले तक राजस्थान के झालावाड़ में एक रैन बसरे में जिंदगी गुजार रहे थे। एक कैंटीन संचालक के बच्चे को पढ़ाते थे और इसके बदले उन्हें दो समय का खाना नसीब हो रहा था। उनकी कहानी सामने आई तो प्रशासन जागा और अब वे झालावाड़ मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी में छात्रों को गाइड कर रहे हैं। कॉलेज के हॉस्टल में ही उनके रहने खाने की व्यवस्था भी कर दी गई है।

गोपाल कृष्ण शर्मा भारतीय विदेश सेवा के 1960 के बैच के टॉपर थे और इनकी पहली पोस्टिंग फ्रांस में हुई थी। वे नीदरलैंड में भारत सरकार के राजनीतिक सलाहकार रहे। वर्ष 1977 में विदेश सेवा से इस्तीफा देकर वे दूम्रम इकोलॉजी कार्डिसल जिनेवा के चेयरमैन रहे। यहां से उन्हें बीस हजार डॉलर मासिक पेंशन भी मिलती थी, जो उन्होंने

वक्त की मार

► **उत्तर प्रदेश के गोपाल कृष्ण शर्मा तीन विषयों में हैं डॉक्टरेट**



आजीवन मुंबई के एक वृद्धाश्रम को दान दे दी और यह प्रण लिया कि वे आजीवन इस वृद्धाश्रम का फायदा नहीं लेंगे। वे इलाहबाद विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर भी रहे। उनकी पत्नी मिथिलेश भी डॉक्टर थीं, लेकिन 1985 में उनकी कैंसर से मौत हो गई।

मकान पर बाहुबलियों का कब्जा
पैसे शेयर घोटाले में गए : शर्मा की बर्बादी की कहानी अजीब है। उनका नोएडा में मकान था, लेकिन वे मेरठ में रह रहे थे।

इसी दौरान बाहुबलियों ने नोएडा स्थित उनके मकान पर कब्जा कर लिया। उनके पास जो जमापूंजी थी, वह एक दोस्त के कहने पर उन्होंने हर्षद मेहता की कंपनी में लगा दी। बाहुबलियों ने मेरठ में भी उनका पीछा नहीं छोड़ा। ऐसे में एक मित्र के कहने पर वे कोटा आ गए। कोटा में हॉस्टल वॉर्डन का काम किया। इसके बाद किसी अधिकारी के कहने पर झालावाड़ आ गए, यहां एक निजी स्कूल में पढ़ाने लगे, लेकिन वह काम ज्यादा नहीं चल पाया। इसके बाद एक कैंटीन संचालक ने उन्हें संभाला। वे उसके बच्चों को पढ़ाते थे। रैन बसरे में रह रहे थे और कैंटीन में खाना खाते थे।

अब मेडिकल कॉलेज बना आसरा
: तीन दिन पहले उनकी कहानी सामने आई तो प्रशासन ने सहाय दिया। यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरके असारिया ने उन्हें कॉलेज की लाइब्रेरी में अपनी सेवाएं देने को कहा। शर्मा भी ऐसा ही कुछ काम चाहते थे, क्योंकि उन्हें पढ़ने का काफी शौक है। अब वे यहां के छात्रों को उनके काम की किताबें ढूंढ़ने में सहायता करेंगे। हॉस्टल में ही उनके रहने और खाने की व्यवस्था भी कर दी गई है।

गेंदा के फूल से होगा तनाव और चर्म रोगों का इलाज

कृष्ण बहादुर रावत, वाराणसी

फूलों की सुगंध मन को तरोताजा और खुशगवार तो बनाती ही है, अब इससे इलाज भी होगा। काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित आयुर्वेद शांति के वेलनेस सेंटर में फूलों की सुगंध से तनाव, चर्म रोग व मानसिक विकारों के इलाज की तैयारी है। इसकी शुरुआत मार्च से होने की संभावना है। फिलहाल गेंदा के फूल की सुगंध से मानसिक रोगों व अनिद्रा के इलाज से गंध चिकित्सा आरंभ होगी। देश में दक्षिण के विभिन्न राज्यों में काफी पहले से मानसिक विकारों का फूलों की सुगंध से उपचार होता रहा है, जबकि रूस में दो साल पहले सुगंध से इलाज की शुरुआत हुई थी।

वेलनेस सेंटर में पदस्थ वैद्यों के अनुसार फूलों की सुगंध से उपचार कर उदर विकार और मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों को रहत पहुंचाया जा सकेगी। लोगों के लिए यह हैरत की बात है। मगर यह सच है कि फूलों की सुगंध से इन रोगों का इलाज हो सकता है। चंदन, खस, अगर, तगर, कपूर, तुलसी, सल्फिया, एकोरस सहित अन्य कई फूलों की सुगंध का इलाज के दौरान

भारतीय परंपरा में यज्ञ-हवन की व्यवस्था प्राचीन काल से है। इससे वातावरण संगमन-मस्तिक शुद्ध व स्वस्थ रहता है। लोगों का प्रसार भी नहीं हो पाता। यह शोध में सिद्ध हो चुका है। इसे देखते हुए ही गंध चिकित्सा शुरू करने के बारे में विचार शुरू हुआ है।
– वैद्य नरेंद्र शंकर त्रिपाठी, बीएचयू

प्रयोग किया जाता है। वैद्यों ने बताया कि हर धर्म के पूजागार में सुगंधित वातावरण इसलिए रहता है, ताकि दर्शन-पूजन करने आए श्रद्धालुओं को मानसिक शांति-प्रसन्नता की अनुभूति हो। वैद्यों ने कहा कि उच्चाधिकारियों की हरी झंडी मिलते ही वेलनेस सेंटर में गंध चिकित्सा से इलाज शुरू कर दिया जाएगा।

ऐसे करते हैं सुगंध से उपचार : जो रोगी चल नहीं सकते, उनके बिस्तर के पास फूलों के गमले सजाने व सिरहाने पर फूल बिछाने से सरसलता से सुगंध मिलती रहती है। वैद्यों ने बताया कि बनारस से सटे क्षेत्रों में ऐसे फूलों की कमी नहीं, जो रोगों के इलाज में काम आते हैं। गेंदा व अन्य फूल वाराणसी के ग्रामीण अंचलों व आसपास के जिलों में मंगाए जाएंगे।

गिद्दी समुदाय के गहनों को मिलेगी नई पहचान

मुनीष गारिया, धर्मशाला

नन्थ, चिड़ी, टोके, चंद्रहार व चक्का... ये वह आभूषण हैं जिन्हें आज की युवा पीढ़ी ने देखा नहीं होगा...शायद नाम भी नहीं सुना होगा...लेकिन जल्द ही हिमाचल में गद्दी समुदाय की शान इन गहनों के बारे में जानकारी देने के लिए पहल की जा रही है। गद्दी समुदाय की महिलाएं विशेष आयोजनों में विशेष पहनावे (नवांचड़ी एवं डोर) के साथ इन गहनों को पहन कर सजती व संवरती हैं। अब इन गहनों को विशेष पहचान मिलेगी। इन गहनों के इतिहास से लेकर इनके पहने जाने के बारे में भी लोग जान सकेंगे। गद्दी समुदाय की शान को पहचान देने के लिए ‘रूबरू’ को ऑर्गेनाइज सोसायटी (सहकारी समिति) आगे आई है।

सोसायटी की ओर से महिलाओं को भी जेवर बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिलहाल इसे धर्मशाला विकास खंड के तहत आती पंचायतों में शुरू किया जाएगा। फिलहाल ‘रूबरू’ के साथ 35 सौ महिलाएं जुड़ चुकी हैं। शकुन मनकोटिया के नेतृत्व में अब सभी सदस्यों ने सोसायटी बनाने का निर्णय लिया है और इसके लिए कार्य भी शुरू कर दिया गया है। सोसायटी को पंजीकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चिड़ी

► **हिमाचल के पारंपरिक गहनों नन्थ, चिड़ी व चंद्रहार को जानेगी नई पीढ़ी**

► **‘रूबरू’ को ऑर्गेनाइज सोसायटी का विशेष प्रयास**

► **महिलाओं को देगी सुनारी (जेवर बनाने का काम) का प्रशिक्षण**

चंद्रहार

क्षेत्र की महिलाओं को प्रोत्साहन और गद्दी समुदाय के गहनों को नई पहचान दिलवाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सभी महिलाओं ने अपनी सहमति जताई है और नए सदस्यों को भी जोड़ा जाएगा।

ये हैं गद्दी समुदाय के गहने : समुदाय की महिलाएं खास मौकों पर नवांचड़ी व डोर पहनती हैं। साथ ही गहनों में नाक में सोने की नन्थ, माथे पर चांदी की चिड़ी, कलाई में चांदी की गोजरी और टोके, गले में चंद्रहार, सिर पर चांदी की चक्का और बालों में सोने का क्लिप लगाती हैं।
धर्मशाला में खोला जाएगा कार्यालय : सोसायटी इस साल धर्मशाला एवं आसपास क्षेत्र में कार्यालय खोलेगी। कार्यालय

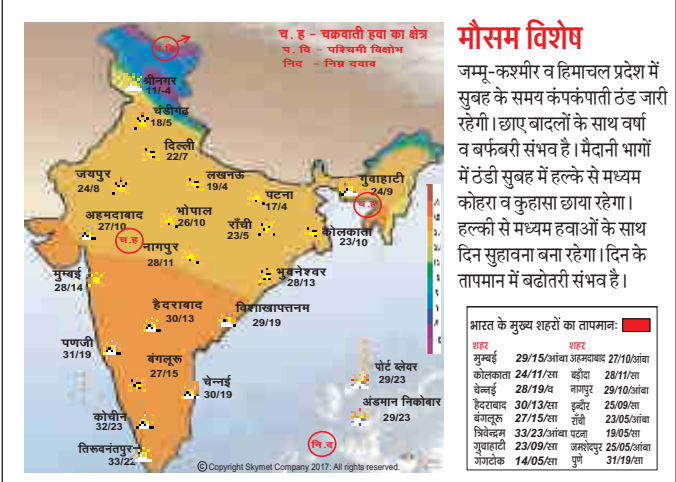
लाक्षागृह पर 10 से शुरू होगा उत्खनन

जागरण संवाददाता, वागपत

परिचमी उत्तर प्रदेश के बरनावा लाक्षागृह पर उत्खनन के लिए किए जा रहे इंतजार की घड़ी समाप्त होने जा रही है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण शाखा द्वितीय लाल किला, भारतीय पुरातत्व संस्थान नई दिल्ली और सहजदाय गंध शोध संस्थान बड़ौत के प्रतिनिधियों ने उत्खनन की तिथि 10 जनवरी घोषित कर दी है।

एक बड़े आयोजन के बाद उत्खनन कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर देश के जाने-माने इतिहासकार और अधिकारी उपस्थित हो सकते हैं। रविवार को सहजदाय राय

शोध संस्थान के निदेशक अमित राय जैन और वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. कृष्णकान्त शर्मा बरनावा साइट पर पहुंचे। उन्होंने भौगोलिक जानकारी के अलावा वहां लगाए जा रहे टूच का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि फिलहाल एल शेष में टूच लगाया गया है, जिसका दायरा बहुत बड़ा दिख रहा है। करीब दो माह बाद यहां उत्खनन करने के बाद टीले के चारों ओर टूच लगाया जाएगा। निदेशक ने बताया कि पुरातत्वविदों से हुई बातचीत के बाद उत्खनन की तिथि निर्धारित की गई है। उम्मीद है कि यहां महाभारतकालीन और रामायणकालीन कई नए रहस्यों को उजागर किया जा सकेगा।



दीपों का रिकॉर्ड

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में स्थित झाली तालाब में रविवार की शाम दीपों ने रिकॉर्ड बनाया। लोगों ने तालाब की की सीढ़ियों पर 1.8 लाख दीपक चलाए। दीपों की रोशनी से नहाया तालाब।

शाबास फुटबॉलर बेटियां कर रहीं गांव को गौरवान्वित

जागरण विशेष

सुरेंद्र सेनी, कैथल

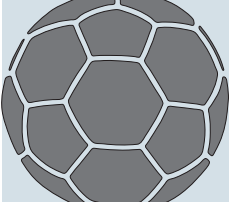
हरियाणा के कैथल जिले का मानस गांव। यहां की फुटबॉलर बेटियों ने हरियाणा ही नहीं, देश-विदेश में गांव का परचम फहरा दिया है। सात वर्षों से अपनी उपलब्धियों के दम पर इन्होंने पूरे गांव का सीना गर्व से चौड़ा कर रखा है। अब तक 15 बेटियां विभिन्न टीमों में खेलते हुए पदक जीत चुकी हैं। बड़ी बात यह है कि ये उपलब्धियां इन्होंने बिना किसी सरकारी या प्रशासनिक सहयोग के हासिल की हैं। गरीब परिवारों से संबंध रखने वाली बेटियों के पिता दिहाड़ी-मजदूरी कर बेटियों को खेल के मैदान में भेज रहे हैं। कोई मजदूर तो कोई किसान की बेटी है। 2010 से पहले गांव में कोई लड़की फुटबॉल नहीं खेलती थी। किसी को भी इस खेल के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। गांव के स्कूल में डीपीआइ दिलबाग नियुक्त हुए तो उन्होंने लड़कियों को फुटबॉल खिलाना शुरू किया। शुरुआत में सुदेरा, पूनम, अंजलि और रिनु ने फुटबॉल खेलना शुरू किया। संख्या कम होने के कारण लक्ष्य पहाड़ पर चढ़ने जैसा दिखने लगा। डीपीआइ दिलबाग ने अन्य छात्राओं और उनके अभिभावकों को प्रेरित किया। धीरे-धीरे संख्या बढ़ने लगी। परिणाम यह हुआ कि 2012 में पहली बार बेटियों ने जिला स्तर पर पदक जीत कर शिक्षकों व अभिभावकों के चेहरे



देश-दुनिया में कैथल का नाम रोशन करने वाली बेटियां।

पर खुशी की लहर दौड़ा दी। वहीं से बेटियों के आगे बढ़ने का सफर शुरू हुआ और अनवरत चल रहा है। अब बेटियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए गांव को अलग पहचान दे दी। आज गांव के खेल मैदान में 70 बेटियां सुबह और शाम अभ्यास के लिए पहुंच रही हैं। इन्हें एक इंटरनेशनल स्तर पर खेल चुकी हैं। 15 बेटियां नेशनल तो 20 के करीब बेटियां राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का जोहर दिखा चुकी हैं।
गरीब रिवाज से संबंध रखती हैं बेटियां
: अधिकतर बेटियां बेहद गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। इंटरनेशनल स्तर पर खेल चुकी खिलाड़ी सुदेरा के पिता ईंट-भट्टे पर काम करते हैं। दिहाड़ी-मजदूरी करने के बावजूद वे बेटी के लिए खेलों का सामान, खुराक व अन्य सुविधाएं जुटाने में पीछे

नहीं रहते। वहीं अंजलि, बलवंद, पूनम के पिता छोटे किसान हैं, लेकिन बेटियों के सपनों को पूरा करने के लिए हर तरह से योगदान कर रहे हैं।
गांव में स्टैडियम नहीं : मानस गांव में पंचायती जमीन काफी है, लेकिन खिलाड़ी बेटियों के लिए कोई मैदान नहीं है। सरकारी स्कूल के मैदान में ही अभ्यास करती हैं। खिलाड़ी सुदेरा, अंजलि व सुमन ने बताया कि सरकार व प्रशासन की तरफ से सुविधाएं दी जाएं तो गांव की अन्य लड़कियां भी प्रेरित होंगी और देश व राज्य का गौरव बढ़ा सकेंगी। गांव की सरपंच मुखेश देवी ने बताया कि यह पूरे गांव के लिए गर्व की बात है कि हमारी बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर खेल रही हैं। लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से कम नहीं हैं। गांव के लोगों ने कभी भी लड़काने-लड़कों का भेद नहीं किया।



इधर उधर की
आपने कभी देखा है
बर्फ का शहर



बीजिंग, एजेंसी : इन दिनों अमेरिका में बर्फ और ठंड ने कहर बरपा रखा है। लेकिन चीन में एक शहर ऐसा भी है, जहां लोगों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा 'बर्फ का शहर' बनाया गया है। हाबिंन में बनाए गए इस शहर का क्षेत्रफल आठ लाख वर्ग मीटर है। यह वहां सालाना होने वाले हाबिंन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो फेस्टिवल के तहत बनाया गया है। इसमें 12 देशों की 34 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने मौसम के रेड स्क्वायर और बैकॉक के मंदिरों समेत विश्व के अन्य लोकप्रिय स्थानों को तीन लाख घन मीटर बर्फ से बनाया गया है। यह समारोह पांच जनवरी को शुरू हुआ और 23 फरवरी तक चलेगा। रात में रंगीनगी एलईडी लाइटों से पूरा शहर जगमगाता है। पिछले साल यहाँ 1.8 करोड़ दर्शक आए थे। इस बार भी बड़ी संख्या में दर्शक आने शुरू हो गए हैं।

शोध अनुसंधान

विटामिन सी से बढ़ती है
टीबी की दवाओं की क्षमता



जानलेवा बीमारी टीबी (तपेदिक) का इलाज और प्रभावी तरीके से संभव हो सकेगा। नए अध्ययन का दावा है कि विटामिन सी के साथ टीबी की दवाएं ज्यादा प्रभावी हो सकती हैं। इन दवाओं को साथ में लेने से अप्रत्याशित रूप से कम समय में ही इस बीमारी का उन्मूलन हो सकता है। अमेरिका के अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने टीबी के रोगाणु मायकोबैक्टीरियम से संक्रमित चूहों पर पहले टीबी रोगी दवाओं और विटामिन सी का अलग-अलग परीक्षण किया। इसके बाद टीबी रोगी दवाओं और विटामिन सी को साथ में आजमाया। छह हफ्ते के इलाज के बाद उन्होंने विटामिन सी की अकेले कोई उपयोगिता नहीं पाई। जबकि विटामिन सी के साथ टीबी के इलाज की प्रमुख दवाएं जैसे आइसोनियाजिड और रिफैम्पिसिन अकेले के मुकाबले ज्यादा प्रभावी पाई गईं।

—प्रेट्र

रक्त में कैफीन के स्तर से
पर्किंसन का पता चलेगा

तंत्रिका तंत्र संबंधी बीमारी पर्किंसन का अब आसानी से पता लगाया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर हर सुबह की कॉफी का जिस तरह मेटाबलाइज करता है, उससे इस रोग के खतरे का अनुमान लगाया जा सकता है। पर्किंसन वह स्थिति है, जिसमें मरीज के अंगों में कंपन होने लगता है और उसे संतुलन बनाने में मुश्किल होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्षों से पता चलता है कि सामान्य लोगों की तुलना में पर्किंसन पीड़ितों के रक्त में कैफीन निम्न स्तर पर रहता है। इसलिए आसान तरीके से रक्त में कैफीन के स्तर की जांच कर इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है। टोक्यो की जुन्तेन्दो यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता शिजी सैकी ने कहा कि पूर्व के अध्ययनों से कैफीन और पर्किंसन के खतरे के बीच संबंध का पता चला था लेकिन कैफीन मेटाबलाइज के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

—आइएनएएस

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 8 जनवरी 2018

आजकल
14
www.jagran.com

रहस्यमय ब्रह्मांड ►

खगोलविदों ने शनि के सबसे बड़े चंद्रमा का बनाया मानचित्र

शनि ग्रह के चंद्रमा टाइटन पर दिखीं धरती जैसी समानताएं

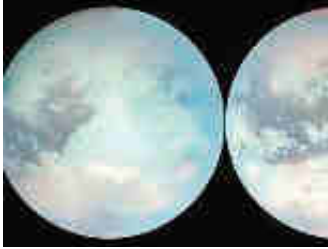
नासा के अंतरिक्षयान कैसिनी से मिले डाटा के जरिए सामने आईं नई जानकारीयां

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : खगोलविदों ने नासा के कैसिनी अंतरिक्षयान की मदद से शनि ग्रह के सबसे बड़े चंद्रमा टाइटन का मानचित्र तैयार किया है। उन्होंने पाया कि इसकी भौगोलिक विशेषताएं धरती के समान ही दिखती हैं।

विभिन्न झोतों से तैयार किए गए इस मानचित्र में टाइटन के सभी भौगोलिक स्थलों के आंकड़ों को शामिल किया गया है। यह टाइटन के ऊंचाई और गहराई वाले स्थानों के दृश्य भी मुहैया कराता है। इससे वैज्ञानिक यह पुष्टि करने में सक्षम हुए कि चंद्रमा के भूमध्यरेखा क्षेत्र के दो स्थानों पर गड्ढे हैं। ये प्राचीन हैं और इनमें सूखा समुद्र या ज्वालामुखी के लावा का बहाव हो सकता है। इस मानचित्र से जाहिर होता है कि टाइटन की ऊपरी सतह पूर्व के अनुमान से कहीं

रहस्यमय ब्रह्मांड ►

शनि ग्रह के चंद्रमा टाइटन पर दिखीं धरती जैसी समानताएं



ज्यादा परिवर्तनशील हो सकती है।
जलवायु और गुरुत्वाकर्षण समझने में मिलेगी मदद : अमेरिका की कार्नेल को शामिल किया गया है। यह टाइटन के ऊंचाई और गहराई वाले स्थानों के दृश्य भी मुहैया कराता है। इससे वैज्ञानिक यह पुष्टि करने में सक्षम हुए कि चंद्रमा के भूमध्यरेखा क्षेत्र के दो स्थानों पर गड्ढे हैं। ये प्राचीन हैं और इनमें सूखा समुद्र या ज्वालामुखी के लावा का बहाव हो सकता है। इस मानचित्र से जाहिर होता है कि टाइटन की ऊपरी सतह पूर्व के अनुमान से कहीं

अंतरिक्षयात्रियों में लगातार बुखार का कारण भारहीनता

अध्ययन में आया सामने, भारहीनता के कारण एक डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है शरीर का तापमान



की शिकायत रहती है। इसके अलावा व्यायाम के दौरान उनके शरीर का तापमान 40 डिग्री किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि अंतरिक्षयात्रियों के शरीर का तापमान एकाएक नहीं बढ़ता है, बल्कि ढाई महीने में धीरे-धीरे निरंतर बढ़ता जाता है और 38 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाता है। (सामान्य स्थिति में मनुष्य के शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है।)
अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि इसी के चलते अंतरिक्षयात्रियों में लगातार बुखार



संस्कृति की झांकी

दुनिया भर में एक से बढ़कर एक कार्निवल आयोजित किए जाते हैं। उन्हीं में से एक कोलंबिया के पास्टो में ब्लैक एंड व्हाइट कार्निवल इन दिनों दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुए है। कार्निवल के दौरान परेड में शामिल विशाल झांकी। देश के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के सबसे बड़े इस कार्निवल में तरह-तरह की झांकियां बनाई जाती हैं। इसमें 10 हजार से भी ज्यादा लोग धिरकत करते हैं। इस ब्लैक एंड व्हाइट कार्निवल में आर्टिस्ट, क्राफ्ट्समैन और रेवलर्स अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। पांच दिन तक चलने वाले इस समारोह में अमेजियन और प्रशांत क्षेत्र की विविध संस्कृति की झलक देखी जा सकती है। इस कार्निवल की यूनेस्को ने वर्ष 2009 में मानवता की सांस्कृतिक विरासत घोषित किया था।

एफपी

अमेरिका में गरीबी से जंग की घोषणा

1964 में आज ही 36वें अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने गरीबी के खिलाफ जंग (वॉर ऑन पावर्टी) की घोषणा की। उस समय अमेरिका की गरीबी दर 19 फीसद थी। इसी के चलते यह घोषणा की गई। घोषणा के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने इकोनॉमिक अप्रॉच्युनिटी एक्ट पारित किया।



अमेरिका में प्रदर्शित हुई मोना लिसा पेंटिंग

1963 में आज ही अमेरिका में पहली बार लियोनार्डो दा विंची की मशहूर पेंटिंग मोना लिसा को वाशिंगटन में प्रदर्शित किया गया। नेशनल आर्ट ऑफ गैलरी के बाहर इस देखने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगीं। प्रदर्शन के लिए पेंटिंग को फ्रांस से किराये पर लिया गया था।



स्टीफन हॉकिंग का जन्मदिन

1942 में आज ही मशहूर भौतिकी और ब्रह्मांड वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग का जन्म ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड शहर में हुआ था। उन्होंने अंतरिक्ष के अहम सिद्धांत दिए। इनमें से पेनरोज-हॉकिंग सिंगुलैरिटी सिद्धांत, ब्लैकस्टीन-हॉकिंग फॉर्मूला, हॉकिंग रेडिएशन और हॉकिंग पनर्जी प्रमुख हैं। उन्हें 2009 में अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंट मेडल ऑफ फ्रीडम से नवाजा गया। एमथाट्रोफिक लेटरल स्लेरोसिस नामक बीमारी से ग्रस्त होने के कारण वह लकवाग्रस्त हैं।



छह बार अंतरिक्ष में जाने वाले जॉन यंग नहीं रहे

वाशिंगटन, एफपी : अंतरिक्ष में छह बार जाने वाले, चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले और इसकी चट्टानी सतह पर चहल-कदमी करने वाले महान अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जॉन यंग नहीं रहे। यह जानकारी अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने दी है। नासा के मुताबिक, वह 87 साल के थे। निमोनिया के कारण बीते शुक्रवार देर रात उनका निधन हो गया। यंग नासा स्पेस सेंटर से कुछ ही मिन्टों की दूरी पर स्थित ह्यूस्टन के एक उपनगर में रहते थे।

एजेंसी के प्रशासक रॉबर्ट लिचटफुट ने एक बयान में बताया कि नासा और दुनिया ने एक अग्रणी व्यक्ति को खो दिया है। अगले मानवीय पड़ाव की ओर देखने के कारण हम उनकी उपलब्धियों पर आगे बढ़ेंगे। यंग कई कार्यों को सबसे पहले करने वाले व्यक्ति थे। वह जैमिनी, अपोलो से अंतरिक्ष में गए और अंतरिक्ष शटल कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वह छह बार अंतरिक्ष में गए। नासा के मुताबिक, एक बार उन्होंने अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय व्यतीत करने का विश्व रेकार्ड बनाया था।

87 वर्ष की आयु में निमोनिया के कारण हुआ निधन



अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जॉन यंग

विवाद की वजह बन रहा घर पर ऑफिस का फोन

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के बाद बताए नुकसान, दी घर और ऑफिस को अलग रखने की सलाह



इसमें सामने आया कि जो लोग परिवार को दिए जाने वाले समय में ऑफिस का काम करते हैं, उनके गृहस्थ जीवन और नौकरी दोनों में संतुष्टि का स्तर बहुत कम होता है।

तकनीक ने दी सुविधाएं तो विवादों को भी दिया जन्म : कॉफर्ड के मुताबिक, इसमें कोई हैरत की बात नहीं है कि जब एक व्यक्ति घर पर भी अपना समय ऑफिस के कार्यों को करते हुए बिताता है तो उसके और उसके साथी में विवाद होने

स्क्रीन शॉट

पहली फिल्म ने ही बदल दी जिंदगी : परेश पाहूजा



‘मेरा असली मिशन वहां (सौरिया में) अपना तिरंगा झंडा फहराना है और ये तो मैं करके ही रहूंगा...’
सलमान की फिल्म ‘टाइगर जिंदा है’ में जब अजान अख्तर नाम का किरदार यह संवाद बोलता है, तो सिनेमाघर तालियों से गूंज उठता है। टाइगर की खुफिया टीम के सदस्य अजान का किरदार निभाने वाले परेश पाहूजा की यह पहली फिल्म है। विज्ञापन फिल्मों के माध्यम से फिल्मों की दुनिया में दाखिल हुए परेश से बातचीत : **‘टाइगर जिंदा है’ तक कैसे पहुंचे ?**
—बचपन से एक्टिंग की चाहत थी। स्कूल-कॉलेज के दिनों में थोड़ा मौका मिला। ग्रेजुएशन के बाद जब मैं मुंबई आया, तो यहां एड फिल्मों से जुड़ा, मेरे लिए यही रोजगार का माध्यम था। एड फिल्मों में काम करते हुए कार्टिंग ड्रायवैक्टर्स से संपर्क बढ़े और एक दिन यशराज से ऑडिशन का बुलावा आया। ऑडिशन होने के लगभग 4 महीनों बाद इस रोल के लिए मेरा सेलेक्शन हुआ।

‘मुगले आजम’ की अनारकली बनना चाहती हैं कट्रीना

‘टाइगर जिंदा है’ की कामयाबी का जश्न मना रही कट्रीना कैफ इस साल दो बड़ी फिल्मों में व्यस्त हैं। वे आमिर खान के साथ फिल्म ‘ठग्स ऑफ हिंदोस्ता’ में और शाह रुख खान के साथ फिल्म ‘जिरो’ में नजर आएंगी। ये दोनों ही फिल्में 2018 के अंतिम दो महीनों- नवंबर और दिसंबर में रिलीज होने जा रही हैं। इस बीच कट्रीना कैफ की एक ऐसी हसरत सामने आई है, जिसे वे अपनी सबसे बड़ी हसरत मानती हैं। कट्रीना की हसरत है कि अगर कोई फिल्ममेकर के आसिफ की फिल्म ‘मुगले आजम’ को रीमेक करे, तो वे उसमें अनारकली का रोल करना पसंद करेंगी। कट्रीना इसे कलाकार के तौर पर अपनी सबसे बड़ी हसरत मानती हैं। हालांकि वे इस बात को भी जोड़ती हैं कि किसी भी फिल्ममेकर के लिए ‘मुगले आजम’ का रीमेक बहुत बड़ा चैलेंज होगा, जिसे हर कोई स्वीकार नहीं कर सकता, लेकिन उनका मानना है कि सिनेमा जितनी तेजी से बदल रहा है, एक दिन यह भी हो सकता है। कट्रीना ने यह हसरत तो जाहिर कर दी कि उनकी पढ़ें पर ‘मुगले आजम’ की अनारकली बनना है और अगर कट्रीना अनारकली बनेंगी, तो लोगों का मानना है कि उनके सलीम के रोल में तो सलमान खान के अलावा कोई और हीरो नहीं हो सकता।

—मुंबई व्यूरो



बात की, तो नर्वसनेस दूर हुई।
सलमान के साथ शूटिंग का कोई रोचक अनुभव ?
—अबू धाबी में पानी के अंदर के सीन थे। वहां पानी बहुत ठंडा था। शॉट होने के बाद मैं कांपने लगा था। सलमान सर ने ब्लैक कॉफी का ऑर्डर किया। मैं उस वक़्त हैरान रह गया, जब कॉफी उन्होंने मुझे दी। मैं इस बात पर ज्यादा हैरान था कि उन्हें कैसे पता चला कि मुझे ब्लैक कॉफी पसंद है। मैं बचपन से उनका पन रहा हूँ, लेकिन उस दिन सलमान सर के लिए मेरी फीलिंग्स और बढ़ गईं।
अजान को किरदार सबसे दिलचस्प प्रतिक्रिया क्या मिली ?
—प्रतिक्रियाओं से अच्छा लग रहा है। पहली ही फिल्म ने मेरी जिंदगी

हाउसफुल 4 में परिणीति, दिशा और कियारा की चर्चा

साजिद नडियाडवाला की फिल्म हाउसफुल की चौथी कड़ी को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं और सूत्रों के हवाले से ‘हाउसफुल 4’ में नायिकाओं के किरदार के लिए जिन हीरोइनों के नाम सामने आए हैं, उनमें परिणीति चोपड़ा, कियारा आडवाणी और दिशा पटानी के नाम शामिल हैं। परिणीति ने हाल ही में ‘गोलमाल 4’ में पहली बार कॉमेडी की और उन्होंने ही ‘हाउसफुल 4’ का संकेत दिया है। परिणीति ने कहा है कि वे ‘गोलमाल 4’ के बाद एक और कॉमेडी फिल्म में काम करेंगी। दिशा पटानी पहले ही साजिद के बैनर में बन रही ‘बागी 2’ में टाइगर श्रॉफ की हीरोइन हैं। कियारा आडवाणी पहली बार साजिद की किसी फिल्म में काम करेंगी। धीनी पर बनी नीरज पांडे की फिल्म में कियारा और दिशा ने काम किया था, लेकिन रोल अलग होने से आपस में कभी मुलाकात नहीं हुई। फिल्म के हीरोज को लेकर अश्वय कुमार, संजय दत्त, जॉन अब्राहम और रितेश देशमुख के नाम आगे हैं। चर्चा है कि अक्षय के साथ परिणीति की जोड़ी बन सकती है। अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम और रितेश देशमुख ‘हाउसफुल 2’ में साथ काम कर चुके हैं। संजय दत्त इस सीरीज के साथ पहली बार जुड़ने जा रहे हैं।

—मुय्य